PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 239 ● भिलाई, बुधवार 01 अप्रैल 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

आगरा पुलिस ने बच्ची की हत्या के मामले में फरार चल रहे इनामी को मुठभेड़ में किया ढेर

आगरा। आगरा के थाना ताजगंज स्थित गोबर चौकी में 24 मार्च को बच्ची की हत्या में फरार चल रहे 25000 रुपए के इनामी सुनील को पुलिस ने मुठभेड़ में ढेर कर दिया है। वहीं, एक दरोगा भी गोली लगने से घायल हो गए हैं, जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। डीसीपी सिटी सैयद अली अब्बास ने बताया कि आठ वर्षीय बच्ची की निर्मम हत्या के मामले में फरार सुनील कुमार के बारे में शनिवार की सुबह सूचना मिली कि बमरौली कटरा क्षेत्र में मौजूद है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने क्षेत्र की घेराबंदी की थी। अपने आपको घिरता देख आरोपी ने पुलिस के ऊपर कई राउंड फायर कर दिया, जिसमें एक दरोगा भी घायल हो गए। पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें सुनील को गोली लग गई। पुलिस ने तत्काल सुनील को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, सुनील की गोली से घायल दरोगा का इलाज चल रहा है। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने आरोपी के कब्जे से बिना नंबर की मोटरसाइकिल, एक 315 बोर का तमंचा, छह खोखा कारतूस तथा तीन जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

जयपुर के महेशनगर में शराब की दुकान के विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़की

जयपुर। राजस्थान के जयपुर में महेश नगर इलाके में कथित अवैध शराब बिक्री को लेकर हुए विवाद के बाद तनाव हो गया है, जो धीमे-धीमे हिंसा, तोड़फोड़ और आगजनी में तब्दील हो गया। पुलिस ने एक दर्जन से अधिक लोगों को हिरासत में लिया है और जांच शुरू कर दी है। यह घटना रविवार देर रात करतारपुरा नाले के पास हुई, जहां स्थानीय लोग बार-बार शिकायत कर रहे थे कि बंद होने के बाद भी शराब बेची जा रही है। जानकारी के अनुसार रविवार देर रात निवासियों ने कथित अवैध बिक्री पर फिर से आपत्ति जताई, जिससे उनके और दुकान संचालक के सहयोगियों के बीच तीखी बहस हुई। हालात देखते-देखते हिंसक झड़प में तब्दील हो गए, जिसमें दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमला किया।

कुएं में कूदने से 19 वर्षीय युवती की मौत, सिविल डिफेंस की टीम ने निकाला शव

उदयपुर। उदयपुर जिले के कानोड़ क्षेत्र से आज सुबह एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहाँ एक 19 वर्षीय युवती ने अपने ही खेत पर स्थित बिना मुंडेर के कुएं में छलांग लगाकर जीवन लीला समाप्त कर ली। सूचना मिलने पर सिविल डिफेंस की टीम ने मौके पर पहुँचकर शव को बाहर निकाला। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार प्रात: लगभग 6:30 बजे 19 वर्षीय वर्षा मंदावत अपनी दादी के साथ घर से करीब 1 किलोमीटर दूर स्थित खेत पर दूध निकालने गई थी। जब दादी दूध निकालने के कार्य में व्यस्त थी, तभी अचानक वर्षा ने पास ही स्थित बिना मुंडेर के गहरे कुएं में छलांग लगा दी।

सीएम साय ने पीएम मोदी और गृहमंत्री शाह को दिया श्रेय

डबल इंजन सरकार की ताकत से टूटा नक्सलवाद-साय

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 31 मार्च को छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में ऐतिहासिक दिन बताया है. उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ अब नक्सलवाद जैसे गहरे नासूर से बाहर निकलकर विकास, विश्वास और सुशासन के नए युग की शुरुआत कर रहा है. मुख्यमंत्री साय ने इस उपलब्धि का सीधा श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मजबूत नेतृत्व, स्पष्ट रणनीति और अडिग इच्छाशक्ति को देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की 3 करोड़ जनता उनके प्रति आभार व्यक्त करती है. उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार के समन्वित प्रयासों ने नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक परिणाम दिए हैं और हमारे सुरक्षाबल के जवानों के अदम्य साहस से यह संभव हुआ है. मुख्यमंत्री साय ने इस विषय पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बयान को लेकर भी तीखा पलटवार किया. उन्होंने कहा कि उनका बयान न केवल तथ्यहीन है, बल्कि अपनी विफलताओं को छिपाने का एक प्रयास भी है. मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में नक्सल विरोधी अभियान में अपेक्षित सहयोग नहीं मिलने की जो बात कही गई है, उसे झुठलाने की भूपेश बघेल की कोशिश दरअसल सच्चाई से मुंह मोड़ने जैसा है.उन्होंने आरोप लगाया कि भूपेश सरकार के समय न तो स्पष्ट रणनीति दिखी और न ही दृढ़ इच्छाशक्ति,

जिसके कारण नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई कमजोर पड़ी. मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जब निर्णायक कार्रवाई हो रही है, तब पिछली विफलताओं पर पर्दा डालने के लिए ऐसे बयान दिए जा रहे हैं.उन्होंने कहा कि दिसंबर 2023 में सरकार बदलते ही केंद्र और राज्य के बीच समन्वय स्थापित हुआ और अगले ही महीने गृहमंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ पहुंचे, जहां नक्सल प्रभावित क्षेत्रों की गहन समीक्षा की गई. मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि उस समीक्षा में यह स्पष्ट हुआ कि देश में कुल नक्सलवाद का 75 प्रतिशत से अधिक प्रभाव छत्तीसगढ़ में ही था, जो पूर्ववर्ती सरकार की नीतिगत विफलता का प्रमाण है. उन्होंने कहा कि यदि पूर्व सरकार ने अपने पांच साल के कार्यकाल में माओवाद के खिलाफ दृढ़ इच्छाशक्ति और सही नीयत से लड़ाई लड़ी होती, तो प्रदेश की स्थिति आज इतनी गंभीर नहीं होती.मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि अन्य राज्यों में नक्सलवाद सीमित स्तर पर सिमट चुका था, लेकिन छत्तीसगढ़ में इसकी गंभीरता बनी रही, जो इस बात को दर्शाती है कि तत्कालीन सरकार ने केंद्र के साथ अपेक्षित सहयोग नहीं किया और नक्सलवाद के खिलाफ पूरी प्रतिबद्धता के साथ संघर्ष करने की इच्छाशक्ति का अभाव था.

आखिरी दिन बस्तर में बड़ा सरेंडर 105 हथियार के साथ 33 नक्सलियों का आत्मसमर्पण,सात किलो सोना; तीन करोड़ कैश

जगदलपुर। केंद्रीय गृहमंत्री की 31 मार्च 2026 की डेडलाइन के आखिरी दिन बस्तर के चार जिलों में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। बीजापुर जिले से सिर्फ25 कैडरों ने हथियार डाले हैं। छत्तीसगढ़ के बस्तर रेंज के चार जिलों में आज सुरक्षाबलों ने बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान कुल 33 कैडर (नक्सलियों) को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। सुरक्षा बलों ने इन अभियानों में भारी मात्रा में हथियार, नकदी और सोना भी बरामद किया है। बीजापुर जिले में 25 कैडर को पकड़ा गया। यहां से कुल 93 हथियार बरामद हुए, जिनमें चार एके-47 और नौ एसएलआर राइफलें शामिल हैं। बीजापुर में कुल 14.06 करोड़ रुपये की डंप रिकवरी भी हुई है। इसमें 2.90 करोड़ रुपये नकद और 7.2 किलोग्राम सोना शामिल है। बरामद सोने की कीमत 11.16 करोड़ रुपये आंकी गई है।

शबरिमला सोना चोरी मामला विजयन ने पूछा

आरोपी राहुल गांधी के घर तक कैसे पहुँचा....

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर पलटवार करते हुए उनसे सवाल किया कि शबरिमला सोना चोरी के मामले में आरोपी व्यक्ति कांग्रेस नेता के घर तक कैसे पहुंचा। इससे पहले, गांधी ने चुनाव प्रचार के दौरान शबरिमला सोना चोरी से जुड़े मामले को लेकर राज्य में सत्तारूढ़ माकपा पर निशाना साधा था। विजयन व्यापक रूप से प्रसारित एक कथित तस्वीर का ज़िक्र कर रहे थे, जिसमें शबरिमला सोना चोरी मामले में मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी दिल्ली स्थित वरिष्ठ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के

आवास पर उनके साथ दिखाई दे रहे हैं। तस्वीर में कुछ अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेता भी दिख रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों ने इस मामले पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल को पहले ही जवाब दे दिया है। मुख्यमंत्री की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है।

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

ढाई दशक पुराने फर्जी वेतन घोटाले में सभी आरोपी बरी,कोर्ट ने कहा-सिर्फ संदेह के आधार पर नहीं दी जा सकती सजा.......

बिलासपुर। संवाददाता

जगदलपुर के ढाई दशक पुराने बहुचर्चित फर्जी वेतन आहरण और भ्रष्टाचार के मामले में हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने सभी आरोपियों को बरी कर दिया है। कोर्ट ने पाया कि अभियोजन पक्ष आरोप सिद्ध करने में विफल रहा। केवल संदेह के आधार पर सजा नहीं दी जा सकती। मामला जगदलपुर स्थित स्वास्थ्य विभाग में वर्ष 1979 से 1985 के बीच कथित रूप से फर्जी वेतन बिल बनाकर सरकारी राशि निकालने से जुड़ा था, जिसमें करीब 42 हजार रुपये के गबन का आरोप था। अभियोजन के अनुसार, तत्कालीन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरके सेन और उनके अधीनस्थ कर्मचारियों पर आरोप था कि उन्होंने मिलकर तीन सफाई कर्मचारी जयसिंह, लालमणि और मयाराम के नाम पर फर्जी वेतन बिल तैयार किए। कहा गया कि ये कर्मचारी वास्तविक रूप से काम नहीं कर रहे थे, फिर भी उनके नाम पर वेतन निकालकर सरकारी राशि का दुरुपयोग किया गया। आरोप यह भी था कि वेतन बिलों में फर्जी हस्ताक्षर और अंगूठे के निशान लगाए गए। जगदलपुर की विशेष अदालत ने 28 जनवरी 2002 को इस मामले में आरोपियों को दोषी ठहराते हुए आईपीसी की धारा 420 (धोखाधड़ी), 467, 468 (जालसाजी), 471 (फर्जी दस्तावेज का उपयोग) और 120-बी (साजिश) सहित भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत 2-2 साल के कठोर कारावास और जुर्माने की

सजा सुनाई थी।मामले में गवाहों के बयान से यह सामने आया कि सभी कार्य तत्कालीन सीएमएचओ डॉ. आरके सेन के निर्देश पर किए गए थे। कोर्ट ने माना कि अन्य आरोपी केवल अधीनस्थ कर्मचारी थे, जो अपने वरिष्ठ अधिकारी के आदेश का पालन कर रहे थे। उनके खिलाफ कोई स्वतंत्र भूमिका या आपराधिक मंशा साबित नहीं हुई। उन्होंने केवल अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया, जिसे अपराध नहीं माना जा सकता।मामले में जिन कर्मचारियों के नाम पर वेतन निकाले जाने का आरोप था, उन्होंने भी स्पष्ट रूप से यह नहीं बताया कि वे कब तक काम पर नहीं थे या उन्हें वेतन नहीं मिला। कई गवाहों ने कहा कि उन्हें काम के दौरान वेतन मिला और उन्होंने हस्ताक्षर कर भुगतान लिया। इससे अभियोजन का दावा कमजोर हो गया।हाईकोर्ट ने पूरे मामले की गहन समीक्षा के बाद पाया कि अभियोजन के पास आरोप साबित करने के लिए ठोस और विश्वसनीय साक्ष्य नहीं है। किसी भी आरोपी के खिलाफयह साबित नहीं हुआ कि उसने फर्जी दस्तावेज तैयार किए या उनका उपयोग किया।

स्मार्ट सिटी योजना को लेकर मोदी पर हमला

अधूरी योजना को पूरे बदलाव की कहानी बनाकर बेचा गया

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पीएम मोदी और प्रदेश सरकार पर बड़ा हमला बोला है. राहुल गांधी ने संसद कार्यवाही के दौरान सरकार के स्मार्ट सिटी योजना को लेकर घेरा है. राहुल गांधी ने कहा कि कोई शहर स्मार्ट नहीं हो सकता, अगर वह अपने नागरिकों को बुनियादी गरिमा, साफ पानी, स्वच्छ हवा और सुरक्षा नहीं दे पाता है. उन्होंने कहा कि आपको मोदी सरकार का स्मार्ट सिटी मिशन तो याद ही होगा, जिसके तारीफों के पुल बांधते प्रधानमंत्री थकते नहीं थे।अब जब यह योजना

अपने समापन की ओर है. राहुल ने कहा कि मैंने संसद में सरकार से इसके वास्तविक परिणामों का हिसाब मांगा. और जो सच सामने आया उसे धोखे के अलावा कुछ और कह ही नहीं सकते. इस योजना का उद्देश्य कभी भी पूरे शहर का विकास करना ही नहीं था. राहुल गांधी ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि देश को एक आधी-अधूरी योजना को पूरे बदलाव की कहानी बनाकर बेचा गया. इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने सरकार पूछा कि कैसे होते हैं स्मार्ट सिटी? सफलता किस आधार पर तय हुई. कितने शहर सच में बदले और लोगों के जीवन में क्या ठोस बदलाव आयाराहुल का दावा है कि इन सवालों का सरकार से कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला. राहुल गांधी ने कहा कि सरकार की तरफसे सिर्फ बताया गया की करीब 48,000 करोड़ खर्च हुए, और 97 प्रतिशत प्रोजेक्ट पूरे बता दिए, लेकिन अगर सब पूरा है।

गाजियाबाद की सोसाइटी में बिल्डिंग से कूदकर युवक ने की आत्महत्या

गाजियाबाद। दिल्ली से सटे गाजियाबाद की एक सोसाइटी में एक व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली। नन्दग्राम थाना क्षेत्र में स्थित राजनगर एक्सटेंशन की एक सोसाइटी में सोमवार सुबह एक व्यक्ति ने बिल्डिंग की छत से कूदकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। नंदग्राम पुलिस के अनुसार, सोमवार को सूचना मिली कि राजनगर एक्सटेंशन की एक सोसाइटी में एक व्यक्ति ने बिल्डिंग से छलांग लगा दी है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और जांच शुरू की गई। जांच में मृतक की पहचान रघुकुल तिलक (40) के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार रघुकुल ने सोसाइटी की छत से कूदकर आत्महत्या कर ली।

असम चुनाव-बीजेपी ने जारी किया संकल्प पत्र

बांग्लादेशी मुस्लिमों से कब्जाई जमीन वापस लेने का वादा रहा

गुवाहाटी/ एजेंसी

असम विधानसभा चुनाव के लिए गुवाहाटी में निर्मला सीतारमण, सीएम हिमंता बिस्वा सरमा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया एवं पार्टी के अन्य नेताओं की मौजूदगी में 'संकल्प पत्र' जारी हुआ। बीजेपी चुनावी घोषणापत्र को 'संकल्प पत्र' कहती है। चुनावी 'संकल्प पत्र' जारी करने के बाद वित्त मंत्री ने कहा कि 'यह घोषणापत्र एक दशक तक लोगों की सेवा करने के बाद तैयार हुआ है। सीएम सरमा ने राज्य में यूनिफॉर्म सिविल कोड और दो लाख नौकरियों का

वादा किया. भाजपा चुनावी घोषणापत्र को 'संकल्प पत्र' कहती है। असम में विधानसभा की 126 सीटों के लिए एक चरण में 9 अप्रैल को मतदान होगा और चुनाव नतीजे 4 मई को घोषित होंगे। राज्य में मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच है। चुनाव के लिए राज्य में सियासी सरगर्मी काफी बढ़ी हुई है। असम विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार को अपना 'संकल्प पत्र' जारी कर दिया। गुवाहाटी में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया एवं पार्टी के अन्य नेताओं की मौजूदगी में 'संकल्प पत्र' जारी हुआ। हम असम में यूसीसीलागू करेंगे, जिसमें छठी अनुसूची, एसटी इलाके शामिल नहीं हैं. हम लव जिहाद के खिलाफ़ कड़े कदम उठाएंगे. हम असम को बाढ़-मुक्त बनाने की कोशिश करेंगे।

राष्ट्रपति के दौरे के समय ही नालंदा से बुरी खबर

शीतला देवी मंदिर में भगदड़ से नौ की मौत,कई लोग घायल

बिहार / एजेंसी

मंगलवार को सुबह नालंदा से भारी अमंगल की सूचना आई। जहां पूरा प्रशासनिक तंत्र राष्ट्रपति के नालंदा दौरे की तैयारियों में व्यस्त था, वहीं जिले के शीतला देवी मंदिर में भगदड़ से नौ लोगो की जान चली गई। इधर पूरा प्रशासनिक तंत्र नालंदा में राष्ट्रपति के दौरे की व्यवस्था में लगा था, उधर जिले के बिहारशरीफसे बुरी खबर सामने आ गई। बिहार शरीफ स्थित मघड़ा स्थित माता शीतला माता के मंदिर में मंगलवार को भारी भीड़ के बीच भगदड़ मच गई। अचानक मची इस भगदड़ में नौ महिला श्रद्धालुओं की मौत हो गई। जबकि छह से लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए मॉडल अस्पताल, बिहार शरीफ में भर्ती कराया गया है। कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। मरने वालों की पहचान नालंदा निवासी दयावंती देवी, मालो देवी, किरता देवी, रीता देवी, आशा देवी, रेखा देवी के रूप में हुई है। तीन अन्य की पहचान की जा रही है। जानकारी के अनुसार, चैत माह का अंतिम मंगलवार होने के कारण मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी। इसी दौरान किसी बात को लेकर अचानक अफवाह फैली और देखते ही देखते भगदड़ की स्थिति बन गई। भीड़ के दबाव में कई लोग गिर पड़े। भागदौड़ में लोग एक-दूसरे पर चढ़ते चले गए। कुछ देर बाद जब भीड़ नियंत्रित हुई तो कुचल कर मरने वालों के शव निकलने शुरू हुए। नौ शवों को घटनास्थल से पोस्टमार्टम के लिए भेजा

गया है। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों और प्रशासन की मदद से घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गए। नालंदा पुलिस टीम की मामले की जांच में जुट गई है। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है। आज ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का नालंदा दौरा होने के कारण प्रशासनिक तंत्र वहां की व्यवस्था में था और इधर यह बड़ी घटना सामने आ गई। घटना के बाद एक घंटे तक लोग अपने परिजनों का पता करने में लगे रहे। ज्यादातर लोग परिवार के साथ आए थे, जिसके कारण बच्चों की संख्या भी ज्यादा थी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नालंदा जिले के बिहार शरीफ स्थित शीतला देवी मंदिर में हुये भगदड़ में श्रद्धालुओं की मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह घटना काफी दुखद है और मैं इससे मर्माहत हूं। मुख्यमंत्री ने मृतकों के आश्रितों को आपदा प्रबंधन विभाग से चार-चार लाख रूपये एवं मुख्यमंत्री राहत कोष से दो-दो लाख रुपये (कुल छह लाख रूपये) अनुग्रह अनुदान देने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर वरीय अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गये हैं तथा राहत एंव बचाव कार्य में जुटे हुये है। मुख्यमंत्री ने हादसे में घायल हुये लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।

कोय इंतजाम नहीं था, कोय पुलिस नहीं था, मंदिर भगदड़ में जिंदा बचने वालों ने बताया हाल

कोय इंतजाम नहीं था। कोय पुलिस नहीं था। कोय देखे वाला नहीं था। एक बार कोय हल्ला किया और सब भागे लगा। कौन किसपर चढ़ा, कौन किसको कुचला? केकरो पता नै चला। जुटे भीड़ हटा तो अंदर से लाश और खून देख दहल गए।- नालंदा के बिहारशरीफमें मघड़ा देवी शीतला माता मंदिर में मची भगदड़ के बाद बचे लोगों की भीड़ से यह प्रतिक्रियाएं सामने आईं। ऐसी प्रतिक्रियाएं, जिनमें दर्द था। भय था। और, गुस्सा भी। गुस्सा इस बात से भी कि जब सब खत्म हो गया तो पुलिस भी आ गई, देखने वाले भी आ गए। वीडियो बनाने वाले भी। भगदड़ में घायल हुई रीता देवी ने रोते हुए कहा कि हमलोग चारों सहेली मंदिर आए थे।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से ग्रामीण व वनांचल क्षेत्रों के विकास के लिए मिली 4.02 करोड़ से अधिक के अधोसंरचना विकास कार्यों की स्वीकृति

कवर्धा। पंडरिया विधायक भावना बोहरा के नेतृत्व में पंडरिया विधानसभा के ग्रामीण व वनांचल क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास, अधोसंरचना निर्माण एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए निरंतर स्वीकृति मिल रही है। उनके द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत परिवारों की सुविधा व उनकी बहुप्रतीक्षित मांगों को पूरा करते हुए विधायक निधि से 1 करोड़ 48 लाख 4 हजार रु. की स्वीकृति दी है वहीं राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा 12 विकास व अधोसंरचना निर्माण हेतु 1 करोड़ 30 लाख 65 हजार और मुख्यमंत्री ग्राम गौरवपथ योजना अंतर्गत पंडरिया विधानसभा में 6 ग्राम पंचायतों में सीसी रोड सह नाली निर्माण हेतु 1 करोड़ 24 लाख 19 की स्वीकृति मिली है। इस प्रकार कुल 74 करोड़ 2 लाख 88 हजार की स्वीकृति मिली है जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को मजबूती मिलेगी साथ ही जनता को सुगम आवागमन व मूलभूत सुविधाओं का लाभ मिलेगा। इस अवसर पर पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि अंत्योदय के लक्ष्य और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण हेतु कटिबद्ध डबल इंजन भाजपा सरकार में पंडरिया विधानसभा, निरन्तर प्रगति पथ पर अग्रसर है। छत्तीसगढ़ के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय विष्णु देव साय जी द्वारा मुख्यमंत्री ग्राम गौरवपथ योजना अंतर्गत पंडरिया विधानसभा में सीसी रोड सह नाली निर्माण हेतु 1 करोड़ 24 लाख 19 हजार रुपए की सौगात देने के लिए मैं उनका हृदय से आभार व्यक्त करती हूं। इसके साथ ही राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा 1 करोड़ 30 लाख 65 हजार की स्वीकृति से विभिन्न ग्रामों में सी.सी. रोड, नाली व पुलिया निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्यों की स्वीकृति प्रदान करने के लिए मैं राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा जी का भी आभार व्यक्त करती हूं। इन विकास कार्यों से गांवों में बेहतर सुविधा, बारिश के समय जलभराव से राहत, किसानों, विद्यार्थियों और आमजनों को सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। हर गांव तक सुविधाओं का विस्तार करना और जनाकांक्षाओं को पूरा करना ही हमारा लक्ष्य है इसके लिए विधायक निधि से 1 करोड़ 48 लाख 4 हजार रु. की स्वीकृति से गाँव-गाँव तक विकास सुनिश्चित होगा। जनता को योजनाओं का लाभ मिले, नगर व गांव का सर्वांगीण विकास हो, अधोसंरचना निर्माण से क्षेत्र की प्रगति निरंतर जारी रहे और पंडरिया विधानसभा समृद्ध हो इसके लिए हम कृतसंकल्पित हैं। विधायक भावना बोहरा ने बताया कि वर्तमान समय में पंडरिया विधानसभा अंतर्गत लगभग 500 किलोमीटर सड़क

का निर्माण हो रहा है जिसमें कुछ पूर्ण हो चुके है कुछ टेंडर प्रक्रिया है और कुछ प्रगति पर हैं जिन्हें जल्द ही पूर्ण कर लिया जाएगा। इस वर्ष मुख्य बजट में 200 किलोमीटर अतिरिक्त सड़क निर्माण को भी स्वीकृति मिली है। क्षेत्र में किसानों को सिंचाई व पेयजल आपूर्ति के लिए 300 करोड़ से अधिक की परियोजनाएं चल रही हैं। सुतियापाट नहर विस्तारीकरण कार्य हेतु 78 करोड़ की स्वीकृति मिली है जिससे 54 से अधिक सुखा ग्रस्त गाँव के किसान व ग्रामवासियों को सिंचाई तथा पेयजल की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित होगी। वनांचल एवं आदिवासी क्षेत्रों की बात करें तो 100 किलोमीटर से अधिक सड़कों का निर्माण, 3500 नए पीएम आवास, पेयजल आपूर्ति के लिए 15 पानी टैंकर की सुविधा, वनांचल के 11 विद्युत विहीन गाँव तक बिजली की पहुँच सुनिश्चित हुई है। वनांचल क्षेत्रों में इन्हीं सार्थक प्रयासों और विकास व मूलभूत सुविधाओं के विस्तार से 400 से अधिक आदिवासी परिवारों ने घर वापसी कर पुनः अपने मूल धर्म में प्रवेश किया। नगरीय निकाय क्षेत्रों की बात करें तो पंडरिया एवं पांडातराई में बाईपास का निर्माण, बहुप्रतीक्षित हरिनाला पुल का निर्माण, नालंदा लाइब्रेरी की स्वीकृति, मिनी स्टेडियम, व्यावसायिक परिसर, नगर पालिका पंडरिया हेतु नवीन भवन की स्वीकृति जैसे कई विकास व अधोसंरचना के कार्य हो रहे है साथ ही मूलभूत सुविधाओं की पहुँच भी जनता तक सुनिश्चित हो रही है। पांडातराई एवं रणवीरपुर में उप तहसील की स्थापना, बिरेन्द्र नगर, कुंडा एवं कुकदुर में नवीन शासकीय महाविद्यालय एवं कुंडा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उन्नयन, पुरे विधानसभा में 35 हजार से अधिक आवास, 1 लाख 25 हजार से अधिक महिलाओं को महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रतिमाह 1000 की आर्थिक सहयता जैसे अनेक जनहित की योजनाओं व विकास कार्यों से आज पंडरिया विधानसभा की तस्वीर बदल रही है और आमजनों के जीवन में उसका सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल रहा है। जनता की आकांक्षाओं और मूलभूत सुविधाओं के लिए विधायक भावना बोहरा द्वारा पंडरिया विधानसभा के लिए विधायक निधि से 1 करोड़ 48 लाख रुपए से अधिक के विभिन्न विकास व अधोसंरचना निर्माण कार्यों की स्वीकृति दी है। जिसके अंतर्गत सरस्वती शिशु मंदिर माध्यमिक विद्यालय वीरेन्द्र नगर में शौचालय निर्माण, ग्राम दशरंगपुर में शा.पूर्व माध्य.शाला के पीछे सार्वजनिक मंच निर्माण, ग्राम मथानीकला में मंच निर्माण, ग्राम कोसमंदा में दिलीप राजपूत के घर से राम प्रसाद चंद्रवंशी के घर तक सी सी रोड, ग्राम कुई में दीपक सलूजा के घर से तीरथ मरावी के घर तक सी सी रोड, ग्राम कोदवाकला में बरमबाबा पारा से चौगड्डा तक सी सी रोड, सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय पांडातराई में सांस्कृतिक मंच, सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पंडरिया में अतिरिक्त कक्ष, नगर पंडरिया के महाविद्यालय हेतु स्मार्ट बोर्ड एवं कालर माइक की वयवस्था, नगर पंडरिया के इंदिरा गाँधी शासकीय महाविद्यालय में में पेयजल हेतु वाटर कूलर, ग्राम खण्डसरा में स्कुल प्रांगण में रंगमंच, ग्राम तमरुवा के भगवा चौक के पास सांस्कृतिक रंगमंच, ग्राम दशरंगपुर में वाटर टैंकर व्यवस्था, ग्राम कोदवागोडन के दीनदयाल वनवासी बालक छात्रावास में रसोई कक्ष एवं छत मरम्मत, ग्राम बदना के लवकुश प्राथमिक शाला कौआनार में अतिरिक्त कक्ष, ग्राम अमलीमालगी के वार्ड क्र. 7 व 9 में नाली निर्माण, ग्राम केशलीखुर्द में रामकुमार के घर से निहोरा चंद्राकर के घर तक सी सी रोड, ग्राम कोलेगांव में यज्ञ स्थल, ग्राम गुड़ेटा में मेन रोड से स्कूल तक सी.सी. रोड, ग्राम जंगलपुर में रंगमंच, ग्राम नरसिंहपुर में दुर्गा मंच से सुखदयाल जांगड़े के घर की ओर सी सी रोड, ग्राम नेऊरगाँव में वाटर टैंकर, ग्राम पुसेरा में वाटर टैंकर, ग्राम रमतला में गौठान से पानी टंकी तक सी सी रोड, नगर पंडरिया के सरदार वल्लभ भाई पटेल शकर कारखाना से मुख्य मार्ग की ओर चौक निर्माण, ग्राम गोरिया में सांस्कृतिक मंच, ग्राम गोरखपुर कला में सांस्कृतिक मंच, ग्राम चारभाठा में वाटर टैंकर, ग्राम ठाठपुर (रा.) में वाटर टैंकर, ग्राम डोंगरिया में शीतला मंदिर हेतु खाद्य गोदाम के पास अतिरिक्त कक्ष निर्माण, ग्राम पंचायत भगवतापोला में स्कूल के पास मंच निर्माण, ग्राम रणवीरपुर में बाजार चौक बस स्टैंड के पास सांस्कृतिक मंच, ग्राम रणवीरपुर में वाटर टैंकर एवं ग्राम राजपुर में देवदहरा मंदिर के पास मंच निर्माण कार्य हेतु स्वीकृति मिली है।

राजस्व एवं आपदा विभाग अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों को मिली स्वीकृति

ग्रामीण क्षेत्रों के समुचित विकास हेतु पंडरिया विधानसभा में राजस्व एवं आपदा विभाग अंतर्गत ग्रा.पं. कुंडा में संतोष चंद्रसेन के घर से मेनरोड की ओर सीसी रोड निर्माण, ग्रा.पं. कोसमन्दा में समतलीकरण कार्य स्कूल मैदान सह गौठान मुरमीकरण, ग्रा.पं. दामापुर में बस स्टैण्ड के अंदर सी.सी रोड निर्माण, ग्रा.पं.छिंतापारकला में संतोष चन्द्राकर के घर से पानी टंकी की ओर सी.सी. रोड निर्माण, ग्रा.पं. मैनपुरा में पीलाराम के घर से घनश्याम के घर की ओर सीसी रोड निर्माण, ग्रा.पं.बिरहुलडीह में मेनरोड से दुर्जन के घर की ओर सी.सी रोड निर्माण, ग्रा.पं.कामठी में सुकालू धुर्वे के घर से संतराम की ओर सी.सी. रोड निर्माण, ग्रा.पं.धोबघट्टी में देशराम के घर से ठाकुरदेव की ओर सी.सी. रोड निर्माण, ग्रा.पं.गेगड़ा में मेनरोड से दुखु निषाद के घर तक सी.सी. रोड निर्माण एवं ग्रा.पं.डौकाबांधा में रघुराम के घर से विश्वनाथ के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य की स्वीकृति मिली है।

मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना से ग्रामीण अंचलों में होगा सड़कों का विस्तार

पंडरिया विधानसभा के ग्रामीण क्षेत्रों में सुगम आवागमन की सुविधा के लिए मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना के तहत ग्रा.पं. रणवीरपुर में बस स्टैण्ड स्वागत द्वार से शिव मंदिर की ओर सी.सी. सड़क सह नाली निर्माण, ग्रा.पं. पनेका में मुख्य मार्ग से सोसायटी की ओर सी.सी. सड़क सह नाली निर्माण, ग्रा.पं. हथमुड़ी में राधा कृष्ण तालाब से पेण्ड्रीकला मार्ग की ओर सी.सी. सड़क सह नाली निर्माण, ग्रा.पं.कोयतारीकापा में मुख्य मार्ग से महामाया मंदिर की ओर सी.सी. सड़क सह नाली निर्माण और ग्रा.पं.घुटुरकुडी में विद्युत वितरण केन्द्र से हायर सेकेण्ड्री स्कूल की ओर सी.सी. सड़क सह नाली निर्माण कार्य हेतु स्वीकृति मिली है।

82 स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का बेमेतरा में किया गया सम्मान

बेमेतरा। स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी सम्मान समारोह कार्यक्रम में छग के अलग अलग जिले 82 सेनानी का सम्मान समारोह टाउन हाल बेमेतरा मे हुए जिनमे मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत व अध्यक्षता प्रहलाद रजक अध्यक्ष छग शासन रजककार बोर्ड, सावित्री मंडावी विधायक भानुप्रतापपुर, पूर्व केबिनेट मंत्री जय सिंह अग्रवाल, व पूर्व विधायक डॉ जायसवाल, पूर्व विधायक गुरुदयाल बंजारे, सुनील माहेश्वरी, व कार्यक्रम आयोजकों मे स्वतन्त्रता सेनानी उत्तराधिकारी संस्था जिला बेमेतरा अध्यक्ष डॉ शिरीष शर्मा, किरण केयूर भूषण मिश्रा, प्रभात केयूर भूषण मिश्र, राजेंद्र मिश्र, रमेश सैनिक, मोहित वर्मा, दीवाकर सोनी, जगमोहन वर्मा, देवेंद्र साहू, लौलाराम साहू, देवचरण साहू, सुमिरनदास साहू, धनंजय धर दीवान, ललित मिश्र, अंकित मिश्र, संजय शर्मा, अन्य जिले से अरुण दूबे, राजेंद्र उमाथे, कमल किशोर अग्रवाल, डॉ ऐंन के यदु, श्यामसुंदर अग्रवाल, अशोक ताम्रकार, अनिरुद्ध दूबे, पंडित योगेश कृष्ण तिवारी, डॉ अलोक मिश्र, चतुरदास मानिकपुरी शामिल है।

शिक्षा एवम समाज सेवा के लिए सम्मानित हुई सरोज तिवारी

बेमेतरा। वर्ल्ड ब्राम्हण फेडरेशन के बैनर तले राजधानी में आयोजित महिला

शिखर सम्मान में विभिन्न विधा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 33 महिलाओं को सम्मानित किया गया जिसमे ग्राम धनगांव निवासी शिक्षिका सरोज तिवारी को शिक्षा एवम समाज सेवा में उल्लेखनीय कार्य के लिए शाल श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया, वर्ल्ड ब्राम्हण फेडरेशन बेमेतरा की जिला सचिव सरोज तिवारी को मिले सम्मान का ब्राम्हण समाज ने स्वागत किया है,राजधानी में अयोजित इस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि राज्य सभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, रायपुर महापौर मिलन चौबे, भाजपा प्रवक्ता शताब्दी पांडे, डिप्टी कमिश्नर पुलिस अर्चना झा, सहायक परियोजना अधिकारी हेमलता शर्मा के अलावा प्रदेश अध्यक्ष अरविंद ओझा, महिला अध्यक्ष नमिता शर्मा, बेमेतरा अध्यक्ष कनक लता मिश्रा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गुणनिधि मिश्रा, युवा अध्यक्ष अविनय दुबे, प्रदेश सलाहकार रज्जन अग्निहोत्री, प्रदेश महासचिव डा सुनील कुमार ओझा, अजय अवस्थी, संभागीय अध्यक्ष नितिन कुमार झा, प्रदेश सचिव रामकृत तिवारी के अलावा आमंत्रित अतिथि सामाजिक पदाधिकारी एवम सामाजिक जन बड़ी संख्या में शामिल हुए।

भारतीय थल सेना में अग्निवीर भर्ती हेतु पंजीयन 1 जून तक

दल्लीराजहरा। भारतीय थल सेना में अग्निवीर भर्ती हेतु 01 अप्रैल 2026 तक वेबसाईट www.joinindianarmy.nic.in पर ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किया गया है। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि सेना भर्ती कार्यालय रायपुर द्वारा 01 जून 2026 से 10 जून 2026 तक पंजीकृत अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाईन कॉमन एंट्रेस एग्जाम आयोजित किया जाना संभावित हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय थल सेना में अग्निवीर भर्ती हेतु पंजीकृत अभ्यर्थियों को छत्तीसगढ़ रोजगार विभाग द्वारा निःशुल्क कोचिंग प्रदान किया जायेगा। ऐसे आवेदक जो लिखित परीक्षा हेतु निःशुल्क ऑनलाईन कोचिंग प्राप्त करना चाहते हैं वे भारतीय थल सेना में अग्निवीर भर्ती हेतु पंजीयन पश्चात रोजगार विभाग के वेबसाईट www.erojgar.cg.gov.in पर 'अग्निवीर भर्ती 2026 की लिखित परीक्षा की तैयारी हेतु निःशुल्क प्रशिक्षण के लिए आवेदन' पर क्लिक कर अपनी व्यक्तिगत जानकारी सहित आवेदन छत्तीसगढ़ रोजगार विभाग को प्रेषित कर सकते हैं। आवेदक को लिखित परीक्षा हेतु प्रशिक्षण के लिए ऑनलाईन आवेदन करने के पूर्व रोजगार कार्यालय में पंजीयन कराना अनिवार्य होगा।

आमरण अनशन से होश में आया पीडब्ल्यूडी

नागरिकों के लामबंदी से डिवाईडर कट बहाल

पीडब्ल्यूडी व राजस्व के अफसर पहुंचे अनशन स्थल

डोंगरगांव नगर। नगर के स्टेटहाइवे में डिवाईडर कट को बंद करने से हरिओम नगर के बाशिंदे आमरण अनशन में उतर आए। नागरिकों के अनशन में बैठने से पीडब्ल्यूडी सहित राजस्व विभाग सकते में आ गया।

सुबह 10 बजे से प्रारंभ अनशन में नागरिकों की संख्या में लगातार इजाफे होने के बाद अंततः पीडब्ल्यूडी एवं राजस्व अमले अनशन स्थल पहुंचकर डिवाईडर कट को हटाए हुए सरिया इत्यादि सामग्री को हटाकर कट को बहाल किया। उपरांत आमरण अनशन खत्म हो गया। उल्लेखनीय है कि नगर में सड़क चौड़ीकरण अंतर्गत मुख्य मार्ग में लगभग 3 किलोमीटर तक सड़क निर्माण किया गया है। उक्त सड़क में

डिवाईडर निर्माण किया गया है, जिसमें अनेक स्थानों पर नागरिकों के आवागमन के लिहाज से आवश्यकतानुसार कट छोड़े गए थे। इसी के तहत हरिओम नगर के सभी गलियों के सामने भी डिवाइडर से कट छोड़े गए थे। लेकिन 2 माह पूर्व ही यकायक ढंग से वार्डों की गलियों में आवाजाही हेतु छोड़े गए कट बंद करने से सन्नोकट रहवासी मोहल्लें में विरोधाभास पनपने लगे थे। इसी तारतम्य में हरिओम नगर के गली नंबर 1 के बाशिंदों ने एसडीएम, पुलिस प्रशासन व निकाय सहित संबंधित विभागों में डिवाइडर के कट बहाल करने ज्ञापन सौंपा था। हालांकि पीडब्ल्यूडी विभाग कलेक्टर के कथित निर्देश के मद्देनजर चुप्पी साधे बैठा था। अब हरिओम नगर के जागरूक नागरिकों ने विभागों के रवैये को देखते हुए आमरण अनशन में बैठने निर्णय लिया। 30 मार्च को नागरिकों ने आमरण अनशन प्रारंभ किया तब पीडब्ल्यूडी व राजस्व के अफसर आनन फानन में अनशन स्थल पहुंचे। पीडब्ल्यूडी एसडीओ अखंड एवं नायब तहसीलदार रामटेके द्वारा डिवाइडर में निर्माण सामग्री को हटवाते हुए सरिया को कटर से काटकर कट को बहाल कराया। इस दरम्यान हरिओम नगर के जागरूक नागरिकगण सत्तापक्ष के जनप्रतिनिधियों का नाम लेते हुए जमकर कोस रहे थे। इस मौके पर पार्षद प्रतिनिधि सिद्धिक बड़गुजर सहित राजस्व के अमले उपस्थित थे। उक्त आमरण अनशन में डॉ गजेन्द्र हरिहारनो दीप, रोमनाथ श्रीवास, बेबो खान, नमिता गजभिए, पुखराज जैन, हरिनारायण पांडेय, मुन्नी शेण्डे, जय कुमार गजभिए, पूषण लाल देवांगन, पंखा राम देवांगन, कृष्णा लाल साहू, महेंद्र कुमार साबला, सालिक राम कौचे, खेलचंद गढ़पायले, सोहेल खान व साहिल खान सहित अनेक वार्डवासी शामिल थे।

कलेक्टर की मंशा पर फिरा पानी

सूत्रों की माने तो गत 2 माह पूर्व ही वर्तमान कलेक्टर द्वारा नगर मार्ग से गुजरने दरम्यान राहगीरों व नागरिकों की सुरक्षा के लिहाज से डिवाइडर के अधिकतर कट बंद करने पीडब्ल्यूडी को निर्देशित किया गया था, उपरांत विभाग द्वारा ही अनेक रहवासी गलियों के सामने कट को बंद करा दिया गया। इस वाकये के बाद से ही अत्यधिक आवाजाही वाले वार्ड के गलियों के नागरिकों को दिक्कतें होने से विरोध के स्वर भी मुखर हुए।

लापता ग्राम बहेसर के बालिका की तलाश जारी

तिल्दा/नेवरा। क्षेत्र के ग्राम बहेसर में 14 वर्षीय बालिका सरोजनी टण्डन के लापता होने का मामला सामने आया है। प्राप्त

जानकारी के अनुसार, सरोजनी बीते कुछ दिनों से घर से लापता है, जिसके बाद परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की, लेकिन अब तक उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया है। बालिका की माता मीना टण्डन और पिता गणेश टण्डन ने संबंधित थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आसपास के क्षेत्रों में तलाश की जा रही है। परिजनों ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी को सरोजनी के बारे में जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

सुकमा में घायल आरक्षक को मिला 50 लाख का बीमा, पुलिस सैलरी पैकेज के तहत सहायता

सुकमा। जिले में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान गंभीर रूप से घायल हुए आरक्षक क्रमांक 204 राजेन्द्र कुमार नाग को पुलिस सैलरी पैकेज के तहत 50 लाख रुपये की बीमा राशि प्रदान की गई है। जानकारी के अनुसार, 9 मई 2025 को बीजापुर जिले के उसूर थाना क्षेत्र के कर्रेटा पहाड़ी पर चलाए गए संयुक्त नक्सल विरोधी अभियान के दौरान आईईडी विस्फोट में आरक्षक राजेन्द्र नाग के दोनों पैर गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गए थे। घटना के तुरंत बाद उन्हें प्राथमिक उपचार के पश्चात हेलीकॉप्टर से रायपुर ले जाया गया, जहां रामकृष्ण मिशन अस्पताल में करीब 5-6 माह तक उनका उपचार चला। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को राहत देने के

उद्देश्य से पुलिस सैलरी पैकेज योजना लागू की गई है, जिसके तहत विभिन्न घटनाओं में घायल पुलिसकर्मियों को बीमा के माध्यम से आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इसी क्रम में प्रकरण तैयार कर भारतीय स्टेट बैंक के माध्यम से बीमा कंपनी को भेजा गया था। योजना के तहत पुलिस-नक्सली मुठभेड़ में गंभीर रूप से घायल होने पर 50 लाख रुपये की बीमा राशि का प्रावधान है। सोमवार 30 मार्च 2026 को पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण एवं भारतीय स्टेट बैंक सुकमा के शाखा प्रबंधक प्रवीण झा की उपस्थिति में आरक्षक राजेन्द्र नाग और उनके परिजनों को 50 लाख रुपये की बीमा राशि प्रदान की गई।

इस दौरान आरक्षक के पिता गंगाधर नाग

पूर्व कलेक्टर चौहान का मल्दामाल में हुआ स्वागत, बड़ी संख्या में उपस्थित रहे ग्रामीण

सरायपाली। विधानसभा के वनांचल ग्राम मल्दामाल में रामनवमी के शुभ अवसर पर ग्राम वासियों के द्वारा पूर्व कलेक्टर के. एल चौहान एवं इनके धर्म पत्नी को आमंत्रित कर बजा गाजा के साथ भव्य स्वागत करते हुए मंच में ले गए और इनके श्री मुख से आशीष वचन प्राप्त किए तथा पूर्व कलेक्टर के एल चौहान ने कहा कि वनांचल क्षेत्र के पावन धरती पर उमड़ा यह जनसैलाब न केवल आस्था का प्रतीक है, बल्कि हमारी सामाजिक एकता, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति का भी जीवंत उदाहरण है। प्रभु श्रीराम के आदर्श हम सभी के जीवन को दिशा देते रहें। जय श्रीराम इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी के साथ ग्राम वासियों से आशीर्वाद प्राप्त कर अपना मुहिम शुरू किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या ग्रामीण उपस्थित रहे।

जनदर्शन में प्राप्त हुए 51 आवेदन कई मामलों का मौके पर निराकरण

बेमेतरा। जिले में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से प्रत्येक सोमवार को आयोजित होने वाले जनदर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत आज कलेक्टरेट स्थित दृष्टि सभा कक्ष में जनदर्शन का आयोजन किया गया। जनदर्शन में कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। जनदर्शन के दौरान नागरिकों ने अपनी विभिन्न मांगों, शिकायतों एवं समस्याओं को प्रशासन के समक्ष रखा। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशीलता के साथ संज्ञान लेते हुए संबंधित

विभागीय अधिकारियों को दूरभाष पर एवं समक्ष बुलाकर प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। कई प्रकरणों का समाधान मौके पर ही किया गया। आज आयोजित जनदर्शन में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 51 आवेदन प्राप्त हुए। तात्कालिक महत्व के मामलों का प्राथमिकता से निराकरण किया गया, जबकि गंभीर एवं जांच योग्य आवेदनों को समय-सीमा (टीएल) पंजी में दर्ज कर नियमानुसार शीघ्र निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। जनदर्शन में निराश्रित एवं वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, बैटरी चालित ट्रायसायकल, प्रधानमंत्री आवास योजना, कटा हुआ रकबा जोड़ने, खाद गड्ढा हटाने, आम रास्ता खुलवाने सहित अन्य जनहित से जुड़े विषयों पर आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी आवेदकों को उनकी समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर गुड्डूलाल जगत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे, जिससे जनदर्शन की प्रक्रिया सुचारू एवं प्रभावी रही।

मध्यान्ह भोजन कार्य हेतू रसोइयों का ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण

सरायपाली। सरायपाली विकासखंड के अंतर्गत आने वाले समस्त विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन सुचारु रुप से भोजन बनाने एवं संचालित करने हेतु रसोइयों को प्रशिक्षण दिया गया। विकासखंड शिक्षा अधिकारी टी सी पटेल के मार्गदर्शन में विकासखंड के विभिन्न विद्यालयों में रसोइयों को प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में रसोइयों को भोजन बनाने हेतु भोजन सामग्री जैसे कि राशन को साफ एवं धोकर स्वच्छ कर विधि से बनाने हेतु एवं बराबर व सही मात्रा में भोजन को पकाने हेतु विस्तार से जानकारी प्रशिक्षकों द्वारा दी गई। तथा मध्यान्ह भोजन हेतु किचन शेड व रसोई वाले स्थान को साफ एवं स्वच्छ रखने हेतु जैसे - बर्तन सामग्री को सफाई कर अलग रखना, राशन सामग्री के स्थान को साफ रखना, चुल्हा वाले स्थान पर भी सफाई एवं स्वच्छ रखने हेतु विभिन्न उपाय बताए गए ताकि बच्चों को स्वच्छ, पोषण एवं स्वादिष्ट भोजन मिल सकें।

संक्षिप्त समाचार

बेमौसम वर्षा उमस भरी गर्मी से लोग बेचैन,दक्षिणी उत्तरी छग में वर्षा होने की संभावना

रायपुर। राजधानी में गत दिनों वर्षा होने के कारण उमसभरी गर्मी से लोग बेचैन है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान है कि द्रोणिका के कारण उत्तरी छग और दक्षिण छग में वर्षा होगी। बेमौसम वर्षा का असर यहां लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है वहीं ग्रीष्मकालीन धान पर इसका असर दिखाई दे रहा है। ग्रीष्म काल में खरबूत, तरबूज, ककड़ी जो कि नदी किनारे लगे हुए है इस समय खराब हो रहे है। लोग राजधानी में वर्षा के कारण मच्छरों के बढ़ने से लोग परेशान है। मौसम विभाग के वैज्ञानिक डॉ. चंद्रा से मिली जानकारी के अनुसार एक पश्चिमी विक्षोभ द्रोणिका के रूप में 5.8 किलोमीटर पर 76 डिग्री पूर्व और 32 डिग्री उत्तर में स्थित है। दूसरा पश्चिमी विक्षोभ ऊपरी हवा के चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण के रूप में पश्चिमी ईरान और उसके आसपास 5.8 किलोमीटर से 7.6 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। एक द्रोणिका उत्तर पश्चिम बिहार से मणिपुर तक 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण उड़ीसा और उसके आसपास 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। प्रदेश में कल दिनांक 28 मार्च को एक दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।

अंतिम वितीय वर्ष डाक घर जीएसटी एवं पंजीयन तथा प्रापर्टी टेक्स पटाने वालों की लगी भीड़

रायपुर। राजधानी में आज शासकीय अवकाश होने के बावजूद जीएसटी कार्यालय, आयकर विभाग तथा पंजीयन विभाग खुला रहा। लोगों ने जमकर रजिस्ट्री करवाई तथा अपना आयकर भरा है। आयकर रिटर्न भरने के लिए इस समय सीए तथा आयकर विक्रय कर सलाह के पास बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। वहीं डाकघर में आयकर से छूट प्राप्त करने के लिए इंदिरा विकास पत्र सहित अन्य स्कीम की भी बांड्स बिक रहे है। राजधानी में अंतिम वित्तिय वर्ष होने के कारण नगर पालिक के सभी जोन कार्यालय खुले रहे। यहां पर सरकार द्वारा राजस्व का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए कार्यालय खोले गये है। इस समय प्रापर्टी टैक्स को लेकर लोगों में खासी नाराजगी है। राज्य में इस समय कामर्सियल टैक्स भी कई मकान में लगाया गया है जिसके कारण लोग परेशान है 31 मार्च मंगलवार तक जमा किया जा सकेगा। राज्य में महानिरीक्षक भूमि पंजीयन कार्यालय में जमीन की नई दरें लागू की गई है जिसके अनुसार लोग नई गाइड लाइन के अनुसार अपनी रजिस्ट्री करा रहे है सरकार को इससे करोड़ों रुपये के राजस्व मिलने के आसार है। राज्य में इस समय जीएसटी कार्यालय में भी अंतिम वित्तीय माह होने के कारण लोग अपना अपना जीएसटी पटा रहे है। जिसके कारण आय इन कार्यालयों में भारी भीड़ रही।

तलवार लहराते युवक गिरफ्तार

रायपुर। जिले के पामगढ़ थाना क्षेत्र में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक युवक को धारदार तलवार लहराकर लोगों में दहशत फैलाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह घटना ग्राम ससहा मेन रोड की है, जहां आरोपी खुलेआम हथियार लेकर राहगीरों को डराने-धमकाने में लगा हुआ था। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 28 मार्च 2026 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक युवक लोहे की धारदार तलवार लेकर लोगों में भयभीत कर रहा है। सूचना मिलते ही पामगढ़ थाना पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और आरोपी को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान गुरुदेव निषाद, निवासी ससहा थाना पामगढ़ के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक लोहे की धारदार तलवार बरामद की गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफअपराध क्रमांक 139/2026 के तहत धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक सावन सारथी के नेतृत्व में प्रधान आरक्षक अशोक यादव, आरक्षक राघवेंद्र लहरे और भुवनेश्वर पटेल का सराहनीय योगदान रहा।

आर्थिक तंगी से जूझते हुए झारखंड के वेटलिफ्टर बाबूलाल हेम्ब्रम एक-एक मेडल के साथ बना रहे हैं अपनी पहचान

रायपुर। जब पूर्व आर्मी कोच गुरविंदर सिंह ने बाबूलाल हेम्ब्रम को उनकी शारीरिक बनावट के आधार पर अन्य खेल छोड़कर वेटलिफ्टिंग अपनाने की सलाह दी, तब झारखंड के रामगढ़ जिले के केरिबांदा गांव के इस किशोर के सामने सबसे बड़ी चुनौती थी—इस खेल को जारी रखने के लिए पैसे जुटाना। लेकिन हार मानने के बजाय बाबूलाल ने निर्माण स्थलों पर बांस की लकड़ियों और लोहे की रॉड से अभ्यास शुरू किया। बाद में उन्होंने झारखंड स्टेट स्पोर्ट्स प्रमोशन सोसाइटी के कोचिंग सेंटर में दाखिला लिया, जिसके लिए उन्हें रोज़ 60 किलोमीटर का सफर तय कर कोच गुरविंदर के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेना पड़ता था। बाबूलाल, जिन्होंने यहां आयोजित खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में पुरुषों के 60 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीता ने कहा, 2018 में जब मैंने इस खेल को अपनाया, यह समय मेरे लिए बहुत कठिन था। हमारे पास ट्रेनिंग के लिए उपकरण और किट खरीदने के पैसे नहीं थे।

आधुनिक तकनीक के साथ संवेदनशीलता ही नई पुलिसिंग की पहचान है

जनता का विश्वास बनाए रखना पुलिस की सबसे बड़ी जिम्मेदारी

- जनता का विश्वास बनाए रखना पुलिस की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है - मुख्यमंत्री
- नेताजी सुभाष चंद्र बोस पुलिस अकादमी में 859 प्रशिक्षुओं का दीक्षांत समारोह संपन्न

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज चंदखुरी स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस राज्य पुलिस अकादमी में आयोजित उप निरीक्षक संवर्ग के दीक्षांत (पासिंग आउट परेड) समारोह में शामिल हुए। उन्होंने परेड का निरीक्षण किया और सलामी ली। इस अवसर पर सूबेदार, उप निरीक्षक एवं प्लाटून कमांडर संवर्ग के अधिकारियों को सफल प्रशिक्षण पूर्ण करने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस सत्र में कुल 859 प्रशिक्षुओं ने प्रशिक्षण पूर्ण किया, जिनमें 54 सूबेदार, 528 उप निरीक्षक (जीडी), 02 उप निरीक्षक (कंप्यूटर), 01 उप निरीक्षक (रेडियो), 01 उप निरीक्षक (अंगुली चिन्ह), 68 उप निरीक्षक (एसबी) तथा 205 प्लाटून कमांडर शामिल हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि यह दिन सभी प्रशिक्षुओं के जीवन का एक यादगार पड़ाव है, जहाँ से वे राष्ट्र और छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा के लिए संकल्पित होकर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कठोर प्रशिक्षण के बाद प्राप्त यह उपलब्धि न केवल प्रशिक्षुओं के लिए, बल्कि उनके परिजनों और पूरे प्रदेश के लिए भी गर्व का विषय है। उन्होंने उल्लेख किया कि पिछले वर्ष जब उन्होंने इन्हीं युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए थे, तब उनके पास प्रतिभा थी, और आज प्रशिक्षण के बाद उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का समावेश हो चुका है, जो उन्हें एक सफल अधिकारी बनाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने पुलिस सेवा को अत्यंत प्रतिष्ठित एवं जिम्मेदारीपूर्ण बताते हुए कहा कि किसी भी प्रतिष्ठित सेवा का आधार सत्यनिष्ठ होती है। उन्होंने प्रशिक्षुओं को प्रेरित करते हुए कहा कि पुलिस का मूल दायित्व नागरिकों की रक्षा करना है। जब भी कोई नागरिक असुरक्षित महसूस करता है, तो सबसे पहले पुलिस के पास ही जाता है। इसलिए जनता का विश्वास बनाए रखना पुलिस की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि वर्दी केवल अधिकार नहीं, बल्कि जनता की सुरक्षा का संकल्प और उससे जुड़ी प्रतिष्ठा का प्रतीक है, जिसे हर परिस्थिति में बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जिम्मेदारी कभी आसान नहीं होती, लेकिन क्षमता और समर्पण के साथ इसे सफलतापूर्वक निभाया जा सकता है। प्रशिक्षण के दौरान किए गए कठिन परिश्रम की तरह ही सेवा में भी निरंतर प्रयास और समर्पण से संतोष और सफलता प्राप्त होती है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि आज का यह निष्क्रमण केवल अकादमी से बाहर निकलना नहीं, बल्कि वास्तविक कार्यक्षेत्र में प्रवेश का संकेत है। उन्होंने इसे सनातन परंपरा के 'निष्क्रमण संस्कार' से जोड़ते हुए बताया कि जैसे शिशु पहली बार घर से बाहर निकलता है, उसी प्रकार आज ये प्रशिक्षु सुरक्षित प्रशिक्षण वातावरण से निकलकर व्यापक जिम्मेदारियों वाले सेवा क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में पुलिसिंग के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। पिछले दो वर्षों में भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी एवं त्वरित बनाया गया है, आधुनिक तकनीक और उपकरणों को पुलिस बल में शामिल किया गया है तथा साइबर अपराधों से निपटने के लिए विशेष इकाइयाँ स्थापित की गई हैं। साथ ही प्रशिक्षण व्यवस्था को अधिक व्यावहारिक और आधुनिक स्वरूप दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य की पुलिस केवल कानून लागू करने वाली संस्था नहीं होगी, बल्कि एक सक्रिय सेवा प्रदाता के रूप में कार्य करेगी।

प्रदेश में पेट्रोल और डीजल की खपत लगातार ऊंचे स्तर पर......

- फिलहाल सप्लाई को लेकर किसी बड़े संकट की स्थिति नहीं
- रायपुर में पेट्रोल-डीजल का संकट नहीं, हर दिन 15 लाख लीटर की खपत

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश में पेट्रोल और डीजल की खपत लगातार ऊंचे स्तर पर बनी हुई है, लेकिन फिलहाल सप्लाई को लेकर किसी बड़े संकट की स्थिति नहीं है। रायपुर पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के सचिव अभय भंसाली ने बताया कि राजधानी में ही रोजाना पेट्रोल की खपत करीब 5 लाख लीटर और डीजल की खपत लगभग 9 लाख लीटर तक पहुंच रही है। वहीं पूरे छत्तीसगढ़ में प्रतिदिन पेट्रोल की खपत करीब 15 लाख लीटर और डीजल की खपत लगभग 40 लाख लीटर है। उन्होंने बताया कि राजधानी से लगे लखौली में पेट्रोलियम उत्पादों की सप्लाई मुख्य रूप से पारादीप से पाइपलाइन के जरिए होती है। यही वजह है कि आमतौर पर सप्लाई बाधित नहीं होती और बड़े संकट की स्थिति नहीं बनती। केंद्र सरकार द्वारा दी गई हालिया छूट से आम उपभोक्ताओं को कितनी राहत मिलेगी और क्या इसका असर सीधे रिटेल कीमतों पर दिखेगा, भंसाली ने स्पष्ट कहा कि इससे आम जनता को सीधे तौर पर कोई राहत नहीं मिलेगी। यह एक इंटरनल एडजस्टमेंट है। उन्होंने कहा कि दुनिया के लगभग सभी देशों में पेट्रोलियम पदार्थों के दाम बढ़ाए गए हैं, लेकिन भारत में कीमतें नहीं बढ़ाई गईं। ऐसे में इसे ही राहत माना जाना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें बढ़ने के बावजूद देश में पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़े। उनके अनुसार सरकार द्वारा दी गई छूट का असर सीधे रिटेल कीमतों में कमी के रूप में नहीं दिखेगा, बल्कि इसका उद्देश्य तेल कंपनियों पर बढ़ते दबाव को कम करना और कीमतों को स्थिर रखना है ।

रायपुर में एमबीबीएस छात्र के से देर रात मारपीट, 20-25 युवकों पर आरोप

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां एक एमबीबीएस छात्र के साथ देर रात बेरहमी से मारपीट की गई। घटना नालंदा परिसर, एनआईटी के पास की बताई जा रही है। पीड़ित छात्र ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है और कई गंभीर आरोप लगाए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित छात्र अंजन पांडा, जो ओडिशा का निवासी है और रायपुर के डगनिया इलाके में रहता है, ने पुलिस में लिखित शिकायत दी है। छात्र का आरोप है कि देर रात करीब 20 से 25 युवकों ने उसे घेर लिया और जमकर मारपीट की। हमले में छात्र के सिर और शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। घटना के बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया।

भविष्य की समरसता के लिए पूर्व विधायक ने रखा अपना विजन

शांति और प्रगति के नए युग में प्रवेश कर रहा बस्तर : बाफना

रायपुर। संवाददाता

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के द्वारा बस्तर से नक्सलवाद के पूर्ण उन्मूलन के लिए निर्धारित 31 मार्च की समय-सीमा से पूर्व मिली ऐतिहासिक सफलता पर जगदलपुर विधानसभा के पूर्व विधायक एवं भाजपा नेता संतोष बाफना ने हर्ष व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि दशकों के खूनी संघर्ष के बाद बस्तर अब शांति और प्रगति के एक नए युग में प्रवेश कर रहा है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर पूर्व विधायक बाफना ने पत्र के माध्यम से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रति आभार प्रकट करते हुए, बस्तर की सामाजिक स्थिरता और सर्वांगीण विकास हेतु अपना विजन और सुझाव प्रेषित किया है। पूर्व विधायक बाफना ने कहा है कि, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन और सुरक्षा बलों के अदम्य साहस से ही बस्तर में नक्सल हिंसा का दौर थमा है। शासन की जीरो टॉलरेंस की नीति और विकासपरक दृष्टिकोण ने आदिवासियों के मन में सुरक्षा और विश्वास का नया संचार किया है। पूर्व विधायक ने अपने पत्र में कहा है कि बस्तर एक बहु-सांस्कृतिक अंचल है। जहाँ आदिवासी समाज के साथ-साथ विभिन्न वर्गों के लोग सदियों से निवास कर रहे हैं। नक्सलवाद की समाप्ति के बाद किसी भी प्रकार के 'वर्ग संघर्ष' की स्थिति को रोकने के लिए विशेष सतर्कता और प्रयासों की आवश्यकता है। सामाजिक समरसता समितियों का गठन: ग्राम और जिला स्तर पर 'शांति एवं संवाद समितियों' का गठन हो। जिसमें सभी समाज प्रमुखों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। भूमि, संसाधनों और अधिकारों को लेकर होने वाले संभावित छोटे विवादों को आपसी बातचीत और कानूनी जागरूकता से सुलझाने के लिए एक पारदर्शी तंत्र बनाया जाए।

महिला टीचर को गिरफ्तारी का डर दिखाकर की 4.50 लाख की ठगी

रायपुर। संवाददाता

सरगुजा जिले में साइबर ठगी का एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां ठगों ने खुद को क्राइम ब्रांच अधिकारी बताकर एक महिला शिक्षिका को डराया और उससे 4 लाख 50 हजार रुपये ठग लिए। आरोपी अश्लील फोटो देखने के झूठे आरोप में गिरफ्तारी की धमकी देकर पैसे वसूलते रहे। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना मिडिल स्कूल कतकालो की शिक्षिका मंजुलिना के साथ हुई। 19 मार्च 2026 को परीक्षा ड्यूटी पूरी कर घर लौटते समय उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को क्राइम ब्रांच रायपुर का अधिकारी बताते हुए कहा कि उन्होंने इंटरनेट पर अश्लील सामग्री देखी है, जो कानूनन अपराध है। गिरफ्तारी का डर दिखाकर बनाया शिकार ठगों ने शिक्षिका को तुरंत गिरफ्तारी की धमकी दी और कहा कि यदि वे बचना चाहती हैं, तो एक सिक्योरिटी मनी जमा करनी होगी, जो जांच पूरी होने के बाद लौटा दी जाएगी। इस धमकी से घबराकर शिक्षिका ठगों के झांसे में आ गईं। किस्तों में ट्रांसफर कराए पैसे डर के कारण शिक्षिका ने अलग-अलग दिनों में यूपीआई के माध्यम से कुल 4 लाख 50 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। 19 मार्च: 1,00,000 रुपये 20 मार्च: 90,000 रुपये 21 मार्च: 40,000 रुपये 22 मार्च: 45,000 रुपये 24 मार्च: 65,000 रुपये 25 मार्च: 50,000 रुपये बताया गया कि कुछ राशि उनके पति ने च्वाइस सेंटर के माध्यम से ट्रांसफर की। धमकी जारी रखी 25 मार्च को ठगों ने दोबारा कॉल कर कहा कि तीन दिन बाद पैसे वापस कर दिए जाएंगे। साथ ही यह भी धमकी दी कि यदि किसी को जानकारी दी गई तो उन्हें गिरफ्तार कर गंभीर नुकसान पहुंचाया जाएगा। शिक्षिका ने जब यह बात अपने सहयोगियों से साझा की, तब उन्हें एहसास हुआ कि वे ठगी का शिकार हो चुकी हैं। इसके बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने दर्ज की स्खहूक मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धारा 318(4) बीएनएस के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जिन मोबाइल नंबरों से कॉल आया, उनकी भी जांच की जा रही है। यह मामला साइबर अपराधियों के नए तरीकों को उजागर करता है, जिसमें वे सरकारी एजेंसी बनकर लोगों को डराकर ठगी करते हैं।

ग्राफ्टेड बैंगन की उन्नत खेती से अमृत बंजारे की आर्थिक स्थिति हुई सुदृढ़

रायपुर। जिले के विकासखंड महासमुंद अंतर्गत ग्राम बम्बुरडीह की कृषक अमृत बाई बंजारे, श्री शुद्धराम बंजारे ने सीमित संसाधनों के बावजूद आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। अमृत बंजारे बताती है कि उनकी शैक्षणिक योग्यता 5वीं कक्षा तक है। पूर्व में वे अपनी कुल 2.87 हेक्टेयर भूमि में परंपरागत रूप से धान की खेती किया करती थीं, जिसमें उत्पादन अपेक्षाकृत कम एवं लागत अधिक होने के कारण उन्हें पर्याप्त लाभ प्राप्त नहीं हो पाता था। वर्ष 2025-26 में उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन में उन्होंने अपनी 1.45 हेक्टेयर सिंचित भूमि में ग्राफ्टेड बैंगन (किस्म व्हीएनआर 212) की उन्नत खेती प्रारंभ की। इस दौरान उन्होंने ड्रिप सिंचाई प्रणाली, मल्चिंग पेपर एवं अन्य आधुनिक कृषि यंत्रों का उपयोग करते हुए वैज्ञानिक पद्धति से खेती की। इन तकनीकों के उपयोग से जहां जल की बचत हुई, वहीं फसल की गुणवत्ता एवं उत्पादन में भी वृद्धि हुई। बंजारे बताती है कि अब तक लगभग 80 टन बैंगन का उत्पादन कर चुके है, जिससे उन्हें लगभग 9 लाख 60 हजार रुपये की आय प्राप्त हुई है। यह आय उनकी पूर्व की पारंपरिक खेती की तुलना में कहीं अधिक है।

शिक्षा की बदौलत पहाड़ी कोरवा युवती राजकुमारी बनीं बदलाव की मिसाल

रायपुर/ संवाददाता

वनांचल क्षेत्र की कठिन परिस्थितियों से निकलकर शिक्षा के बल पर नई पहचान बनाने वाली कोरबा जिले के ग्राम कदमझेरिया की पहाड़ी कोरवा युवती राजकुमारी आज अपने समुदाय के लिए प्रेरणा बन गई हैं। विकासखंड कोरबा के ग्राम पंचायत गढ़उपरोड़ा की रहने वाली राजकुमारी विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समुदाय की हैं, जहां आज भी शिक्षा की पहुंच सीमित है। राजकुमारी का बचपन अभावों में बीता। परिवार के साथ मजदूरी करना और जंगलों से वनोपज इकट्ठा कर जीवनयापन, उनकी दिनचर्या थी। आर्थिक स्थिति इतनी कमजोर थी कि एक वक्त का भोजन जुटाना भी चुनौती था। घास-फूस के कच्चे घर में रहने वाली राजकुमारी के सामने पढ़ाई जारी रखना आसान नहीं था। परिवार ने 5वीं के बाद आगे पढ़ाई के लिए दूसरे गांव भेजने से मना कर दिया, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। शिक्षा को ही जीवन बदलने का माध्यम मानते हुए उन्होंने दृढ़ निश्चय किया और सतरेंगा के आदिवासी कन्या आश्रम में प्रवेश लेकर पढ़ाई जारी रखी। 8वीं तक की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने घर पर रहकर स्वाध्यायी विद्यार्थी के रूप में 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं उत्तीर्ण कीं। इस दौरान सामाजिक ताने भी उनके सामने बड़ी चुनौती थे-लड़कियों को ज्यादा पढ़ने की जरूरत नहीं और अधिक पढ़ाई से नुकसान होता है जैसी बातें उनके हौसले को डिगाने की कोशिश करती रहीं। लेकिन राजकुमारी का लक्ष्य स्पष्ट था-मुख्यधारा से जुड़कर अपने समुदाय के लिए बदलाव लाना। उनकी लगन और योग्यता को देखते हुए आदिवासी विकास विभाग द्वारा उन्हें कंप्यूटर कोर्स कराया गया। इसके बाद जिला प्रशासन कोरबा के विशेष भर्ती अभियान के तहत 1 जनवरी 2022 को उन्हें तहसील कार्यालय पोंड़ी-उपरोड़ा में सहायक ग्रेड-03 के पद पर नियुक्ति मिली। आज राजकुमारी आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हैं और सम्मानजनक जीवन जी रही हैं। उनके जीवन स्तर में व्यापक बदलाव आया है-अब उनके पास वाहन, घरेलू सुविधाएं और बेहतर आवास उपलब्ध हैं। वे शासकीय कॉलोनी पोंड़ी-उपरोड़ा में परिवार के साथ सुखद जीवन व्यतीत कर रही हैं, वहीं ग्राम कोनकोना में उनका पक्का मकान भी निर्माणाधीन है। राजकुमारी की सफलता का असर अब उनके समुदाय पर भी दिखाई देने लगा है। उन्हें देखकर अन्य युवतियां और युवा शिक्षा के प्रति जागरूक हो रहे हैं और शासकीय संस्थानों में प्रवेश ले रहे हैं।

जगदलपुर में बेमौसम बारिश के कारण एथलेटिक्स का शाम का सत्र रद्द

अरुणाचल की नेडी न्गी, महाराष्ट्र के गोविंद पाडेकर ने 5000 मीटर में जीते स्वर्ण पदक

- कुश्ती में दो स्वर्ण के साथ कर्नाटक ने पदक तालिका में 17 स्वर्ण के साथ बढ़त मजबूत की
- पहलवान मुलायम खरवार ने पुरुषों के 65 किग्रा फ्रीस्टाइल में जीतकर बिहार का खाता खोला

रायपुर/ संवाददाता

अरुणाचल प्रदेश की मिडिल-डिस्टेंस धाविका नेडी न्गी ने महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता, जबकि महाराष्ट्र ने पुरुष वर्ग में शानदार 1-2 स्थान हासिल किया। वहीं, बेमौसम बारिश के कारण सोमवार को खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के छठे दिन एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं के उद्घाटन दिन का शाम का सत्र रद्द करना पड़ा। नेडीन्गी ने अधिकांश दौड़ में खुद को संयमित रखा और अंतिम 200 मीटर में जोरदार स्प्रिंट लगाते हुए 18:24.66 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में महाराष्ट्र के गोविंद पाडेकर (15:11.35 सेकंड) और सूरज माशी (15:11.64 सेकंड) ने बेहतरीन तालमेल के साथ दौड़ते हुए क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीते। नेडीन्गी ने दौड़ के बाद साई मीडिया से कहा, मैं अकादमियों पर ध्यान देने के बाद वापसी कर रही हूं और यहां स्वर्ण पदक जीतकर बेहद खुश हूं। अब जब मेरी ग्रेजुएशन पूरी हो गई है, तो मैं नेशनल कैंप में जगह बनाने और आगे चलकर बड़े अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए भारतीय टीम में चयनित होने पर ध्यान देना चाहती हूं। अरुणाचल प्रदेश की नेडी न्गी के स्वर्ण पदक जीतने से राज्य ने पदक तालिका में अपना तीसरा स्थान मजबूत किया, जहां उसके खाते में अब छह स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक हो गए हैं।अंबिकापुर में कुश्ती से मिले दो स्वर्ण पदकों के साथ कर्नाटक ने तालिका में अपनी बढ़त और मजबूत कर ली। रोहन डोड्डामनी ने स्विमिंग पूल के बाहर कर्नाटक का पहला स्वर्ण पदक दिलाया।

संपादकीय

हरित दिल्ली' का ब्लूप्रिंट

इस बार दिल्ली के बजट में विकास की संतुलित तस्वीर नजर आती है। इसमें भले ही राष्ट्रीय राजधानी के बाशिंदों को तात्कालिक लाभ वाली घोषणाओं की कमी महसूस हो, लेकिन भविष्य की उम्मीदों को लेकर प्रतिबद्धता साफ दिखती है, जिसमें प्रदूषण जैसे गंभीर मसले की चिंता भी शामिल है। ऐसा इसलिए, क्योंकि कुल बजट का इक्कीस फीसद हिस्सा पर्यावरण संरक्षण पहल के लिए रखा गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को दिल्ली विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 1,03,700 करोड़ रुपए का बजट पेश करते हुए कहा कि यह हरित बजट है।इसमें दोराय नहीं कि सरकार की नीतियों में जनसरोकार की भावना दिखनी चाहिए। इस दृष्टि से देखें, तो सरकार ने इसका विशेष ध्यान रखा है और शिक्षा क्षेत्र के साथ जनस्वास्थ्य सेवाओं को भी प्राथमिकता दी है। शिक्षा पर कुल बजट का अठारह फीसद खर्च करने का निर्णय निस्संदेह सराहनीय कदम है। वहीं स्वास्थ्य सेवाओं के लिए तेरह हजार करोड़ से अधिक राशि आवंटित किए जाने से उम्मीद की जा सकती है कि सरकारी अस्पतालों की दशा और दिशा बदलेगी।बजट में नागरिकों को बेहतर और आधुनिक सुविधाएं देने का संतुलित प्रयास किया गया है। युवा पीढ़ी भविष्य में दिल्ली को जो नई तस्वीर देखना चाहती है, सरकार उसी दिशा में कदम बढ़ाती दिख रही है। आने वाले वर्षों में यहां सार्वजनिक परिवहन का नया रूप सामने होगा, क्योंकि मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि वर्ष 2029 तक पूरे परिवहन बेड़े को इलेक्ट्रिक बसों में बदला जाएगा। इसी के साथ दिल्ली की सड़कों की दशा सुधारने की इच्छाशक्ति भी सरकार ने दिखाई है।शहरी विकास के साथ धूलमुक्त सड़कें बनाने के लिए अलग से राशि का आवंटन किया गया है। नई सेमीकंडक्टर नीति की घोषणा से उम्मीद जगी है कि राजधानी में नवउद्यम समेत बुनियादी औद्योगिक ढांचे का सतत विकास होगा। इसके अलावा अटल कैंटीन से जुड़े विश्राम स्थल बनाने की घोषणा से अस्थायी कर्मचारियों को रोजमर्रा की कठिनाइयों से राहत मिलने की उम्मीद जगी है। कुल मिलाकर यह बजट विकासोन्मुख माना जा रहा है, लेकिन यह तभी संभव होगा, जब बजट घोषणाओं पर पूरी तरह अमल किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि कोई व्यक्ति हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म से बाहर जाकर धर्म परिवर्तन करता है, तो उसे अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जा सकता। दरअसल, आंध्र प्रदेश के एक धर्मांतरित ईसाई पादरी से जुड़े मामले में आए इस नवीनतम फैसले के व्यापक राजनीतिक और सामाजिक मायने हैं। इससे हिन्दू समुदाय के दलितों और पिछड़ों को निशाना बनाकर धर्मांतरित करवाये जाने का पूरा खेल ही अब हतोत्साहित हो जाएगा। हालांकि, कांग्रेस व समाजवादी मूल की क्षेत्रीय पार्टियां यदि चाहें तो इस मुद्दे पर अपनी राजनीति भी शुरू कर सकती हैं कि जब हिन्दू, बौद्ध या सिख बनेंगे तो उनका एससी/ओबीसी स्टेटस बरकरार रहेगा, लेकिन जैन, ईसाई, मुसलमान, पारसी आदि बनने पर नहीं, यह कौन सा खिचड़ी न्यायिक दर्शन हैं, जो हर गतिरोध के बाद एक नया गतिरोध पैदा कर देता है। कहने का तात्पर्य यह कि ज्यूडिशियल एंटीबायोटिक पॉवर बढ़ाये बिना सम्बन्धित व्यक्ति या समूह का कल्याण नहीं होने वाला है।

धर्म और जाति को लेकर आए 'सुप्रीम आदेश' के राजनीतिक-सामाजिक मायने

(कमलेश पांडे)

कांग्रेस व समाजवादी मूल की क्षेत्रीय पार्टियां यदि चाहें तो इस मुद्दे पर अपनी राजनीति भी शुरू कर सकती है कि जब हिन्दू, बौद्ध या सिख बनेंगे तो उनका एससी/ओबीसी स्टेटस बरकरार रहेगा, लेकिन जैन, ईसाई, मुसलमान, पारसी आदि बनने पर नहीं, यह कौन सा खिचड़ी न्यायिक दर्शन हैं, जो हर गतिरोध के बाद एक नया गतिरोध पैदा कर देता है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि कोई व्यक्ति हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म से बाहर जाकर धर्म परिवर्तन करता है, तो उसे अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जा सकता। दरअसल, आंध्र प्रदेश के एक धर्मांतरित ईसाई पादरी से जुड़े मामले में आए इस नवीनतम फैसले के व्यापक राजनीतिक और सामाजिक मायने हैं। इससे हिन्दू समुदाय के दलितों और पिछड़ों को निशाना बनाकर धर्मांतरित करवाये जाने का पूरा खेल ही अब हतोत्साहित हो जाएगा।

हालांकि, कांग्रेस व समाजवादी मूल की क्षेत्रीय पार्टियां यदि चाहें तो इस मुद्दे पर अपनी राजनीति भी शुरू कर सकती है कि जब हिन्दू, बौद्ध या सिख बनेंगे तो उनका एससी/ओबीसी स्टेटस बरकरार रहेगा, लेकिन जैन, ईसाई, मुसलमान, पारसी आदि बनने पर नहीं, यह कौन सा खिचड़ी न्यायिक दर्शन है, जो हर गतिरोध के बाद एक नया गतिरोध पैदा कर देता है। कहने का तात्पर्य यह कि ज्यूडिशियल एंटीबायोटिक पॉवर बढ़ाये बिना सम्बन्धित व्यक्ति या समूह का कल्याण नहीं होने वाला है।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने गत 23-24 मार्च 2026 को एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया, जिसमें कहा गया कि हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म (जैसे ईसाई, इस्लाम आदि) में परिवर्तन करने पर अनुसूचित जाति (एससी) का दर्जा तुरंत समाप्त हो जाता है। इस आदेश से एससी/एसटी आरक्षण लाभ और अत्याचार निवारण अधिनियम का संरक्षण खत्म हो जाता है। दरअसल, यह फैसला आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के मई 2025 के आदेश पर आधारित है, जहां एक ईसाई पादरी को एससी/एसटी एक्ट के तहत संरक्षण से वंचित किया गया। क्योंकि कोर्ट ने स्पष्ट किया कि संविधान के अनुसूचित जाति आदेश 1950 के अनुसार केवल निर्दिष्ट धर्मों के अनुयायी ही एससी लाभ ले सकते हैं। ईसाई या इस्लाम अपनाने पर जातिगत पहचान और लाभ दोनों समाप्त हो जाते हैं।

इस फैसले के अहम राजनीतिक मायने हैं। यह फैसला धर्मांतरण पर आधारित आरक्षण दावों को रोक सकता है, जो दक्षिणपंथी दलों के लिए समर्थन बढ़ाएगा। वहीं, अल्पसंख्यक आरक्षण बहस (जैसे दलित ईसाई/मुस्लिम) को प्रभावित कर चुनावी राजनीति में हिंदू एकता पर जोर देगा। राज्य सरकारें ओबीसी/एससी सूचियों की समीक्षा के दबाव में आ सकती हैं। वहीं, इस फैसले के बाद धर्म परिवर्तन और आरक्षण से जुड़ी बहस जोर पकड़ सकती है। चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के आलोक में फैसला दिया है, लेकिन कुछ मसले ऐसे होते है जहां कानून और जमीनी हकीकत आमने-सामने आ जाते हैं। भारत में जाति एक सच्चाई है, जिसे नहीं बदला जा सकता, लेकिन इससे जुड़ी बुराइयों को खत्म करने की तमाम कोशिश होनी चाहिए। जो राज-नीतिक और न्यायिक अदूरदर्शिता वश नहीं हो पा रही है और तरह तरह के संवैधानिक विवाद जन्म ले रहे हैं, जिससे राष्ट्रीय हितों को लगातार धक्का लग रहा है।

जहां तक इस फैसले के सामाजिक प्रभाव की बात है तो धर्म परिवर्तन के बाद एससी/ओबीसी का लाभ न मिलने से सामाजिक न्याय की नीति मजबूत होगी, लेकिन धार्मिक रूपांतरण रोकने या जातिगत अस्मिता पर बहस तेज हो सकती है। चूंकि दलित समुदायों में हिंदू/सिख/बौद्ध रहने का दबाव बढ़ेगा, जबकि ईसाई/मुस्लिम समुदायों में असंतोष उत्पन्न हो सकता है। फिर भी कुल मिलाकर देखा जाए तो यह आरक्षण को ऐतिहासिक अन्याय सुधार तक सीमित रखने की दिशा में उठाया गया निर्णायक कदम है। इस पर मौजूदा मोदी सरकार के वैचारिक असर से भी इनकार नहीं किया जा सकता है, क्योंकि यह सरकार दलित/ओबीसी हिंदुओं की एकजुटता व समग्र उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है।

हालांकि देश में जाति से जुड़ा सवाल बहुत टेढ़ा और जटिल है। क्योंकि सामाजिक स्तर पर हमेशा से यह बहस का विषय रहा है कि क्या धर्म बदलने भर से जातिगत भेदभाव खत्म हो जाता है? गाहे बगाहे ऐसे मामले सामने आते रहे है, जिनमें दलित या ओबीसी समुदाय के लोगों को दूसरा धर्म अपनाने के बाद भी भेदभाव का सामना करना पड़ता है। पिछले साल मार्च में ही तमिलनाडु के कुछ ईसाई परिवारों, जो पहले दलित थे, ने आरोप लगाया था कि उनके साथ समान व्यवहार नहीं होता। यहां तक कि कब्रिस्तान में उनके लोगों के शवों को दफनाने के लिए भी अलग जगह है।

उल्लेखनीय है कि शीर्ष अदालत के फैसले का आधार संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950 है। जिसका क्लॉज 3 कहता है कि हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म को मानने वाले ही एससी श्रेणी में आ सकते है। धर्म परिवर्तन और जाति से जुड़ी यह बहस बहुत पुरानी है। इसके दो पहलू है। एक, जिन धर्मों में जाति व्यवस्था नही है, उन्हें अपनाकर फिर जाति से जुड़े लाभ कैसे लिए जा सकते है। पिछले साल दिसंबर में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी सरकार को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया था कि जिन्होंने ईसाई धर्म अपना लिया है, उन्होंने अनुसूचित जाति से जुड़े लाभ छोड़ दिए हों।

तब हाईकोर्ट ने कहा था कि धर्म परिवर्तन के बाद भी अनुसूचित जाति समुदाय को मिलने वाले फायदे लेते रहना संविधान के साथ धोखा है। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के पास इस तरह की कई शिकायतें है और उसने पिछले साल देशभर में जांच भी शुरू की थी। कुल मिलाकर उद्देश्य यह है कि संविधान के तहत मिले अधिकार का दुरुपयोग न होने पाए। क्योंकि जाति और धर्म का दुरुपयोग होने की चिंता शुरू से ही न्यायिक विमर्श का मुद्दा रही हुई है। लिहाजा ब्रेक के बाद न्यायादेश मिलते रहते हैं।

इंद्रा साहनी केस (1992) से इस फैसले का सम्बन्ध

इंद्रा साहनी केस (1992) मुख्य रूप से ओबीसी आरक्षण पर केंद्रित था, लेकिन हालिया सुप्रीम कोर्ट फैसले (धर्म परिवर्तन पर सख्त दर्जा समाप्ति) से इसका अप्रत्यक्ष संबंध है। दोनों आरक्षण को जाति-आधारित ऐतिहासिक अन्याय सुधार तक सीमित रखने के सिद्धांत साझा करते हैं। इंद्रा साहनी का सार-इस केस में सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण मान्य किया, लेकिन 50 प्रतिशत कुल सीमा तय की और स्पष्ट किया कि आरक्षण का आधार धर्म या जाति अकेला नहीं हो सकता। क्रीमी लेयर बहिष्कार और पिछड़ापन के सामाजिक-शैक्षिक मापदंड निर्धारित किए गए।

हालिया फैसले से संबंध- 2026 के एससी/एसटी फैसले में संविधान के अनुसूचित जाति आदेश 1950 का हवाला दिया गया, जो इंद्रा साहनी के सिद्धांतों से मेल खाता है कि आरक्षण धर्म पर आधारित नहीं। ओबीसी मामलों में (जैसे मुस्लिम आरक्षण रद्द), कोर्ट ने इंद्रा साहनी का जिक्र कर धर्म को आधार बनाने से रोका, जो एससी केस की भावना से जुड़ता है। हालांकि, सीधा उल्लेख नहीं मिला, लेकिन सामान्य आरक्षण दर्शन समान है, जिसका सर्वकालिक महत्व जगजाहिर है। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

महेंद्र सिंह धोनी महान पर, सीएसके को उनके बिना आगे बढ़ना होगा

(संजय सेवरन)

महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स ने 5 बार आईपीएल चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया, लेकिन धोनी अब 44 साल के हो चुके हैं। पिछले 16 साल से वो इस टीम का हिस्सा हैं, लेकिन अब वो बल्ले से टीम को ज्यादा सहयोग नहीं दे पाते। विकेटकीपर के लिए भी टीम में विकल्प मौजूद है और अब उनकी उपयोगिता टीम में ज्यादा दिखती नहीं है। हां, टीम उनके अनुभव का फायदा उठा सकती है और उन्हें अन्य जिम्मेदारियां दी जा सकती है।

महेंद्र सिंह धोनी एक महान कप्तान और खिलाड़ी हैं इसमें कोई दो राय नहीं है। उन्होंने भारतीय क्रिकेट व इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए जो कुछ भी किया है वो किसी से छुपा नहीं है। धोनी ने आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स को वो दर्जा दिलाया जिसे हासिल करना आसान नहीं होता और ये सब उन्होंने इस खेल के प्रति अपने समझ के दम पर हासिल किया।

धोनी ने 5 बार टीम को बनाया चैंपियन- धोनी की कप्तानी में सीएसके आईपीएल में 5 बार चैंपियन बनी और इस वक्त ये टीम इस लीग की सबसे सफल टीमों में से एक है। उन्होंने सीएसके को पहली बार साल 2010 में चैंपियन बनाया और इसके बाद ये सिलसिला जारी रहा और इस टीम ने 2011, 2018, 2021 और 2023 में फिर से चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। यही नहीं ये टीम 2008, 2012, 2013,2015 और 2019 में उप-विजेता भी रही थी। ये टीम कुल 10 बार फाइनल में पहुंच चुकी है और ये कमाल धोनी का था।

2008 से धोनी हैं सीएसके के साथ- धोनी इस टीम के साथ 2008 में जुड़े थे और तब से लेकर अब तक वो इसका अहम हिस्सा है। बीच में दो साल के लिए जब सीएसके को बैन किया गया था तब वो दूसरी टीम की तरफ से खेले थे। पिछले 16 साल में धोनी ने इस टीम के साथ हर उतार-चढ़ाव को झेला, सफलता की पीक तक गए तो वहीं जब टीम पहली बार आईपीएल 2025 में दसवें नंबर पर रही तब भी टीम का हिस्सा थे। यानी उन्होंने टीम के हर पहलू को बेहद करीब से देखा है और बतौर कप्तान व खिलाड़ी उसे महसूस भी किया है।

44 साल की उम्र में खेलना एक चुनौती- एमएस धोनी एक ऐसा नाम जिसके टीम में रहने से ही सीएसके की प्रतिष्ठा बढ़ जाती है और इसे सभी जानते हैं, लेकिन अब वो 44 साल के हो चुके है। धोनी उम्र के उस पड़ाव पर हैं जहां क्रिकेट खेलना आसान नहीं होता, लेकिन हां इसमें कोई शक नहीं है कि उनका क्रिकेट ज्ञान कमाल का है। धोनी अब सीएसके के लिए काफी कम बैटिंग करते हैं। पिछले कुछ सीजन से वो 8वें या फिर 9वें नंबर पर आते हैं और सिर्फ 10-12 गेंद ही खेल पाते हैं। किसी-किसी मैच में तो उन्हें इतना भी खेलने का मौका नहीं मिला।

धोनी नहीं रहे पहले जैसे मैच विनर- धोनी जिस तरह से पहले सीएसके के लिए बेस्ट फिनिशर थे, मैच विनर थे उनमें अब वो बात नहीं दिखती।

महेंद्र सिंह धोनी एक महान कप्तान और खिलाड़ी हैं इसमें कोई दो राय नहीं है। उन्होंने भारतीय क्रिकेट व इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए जो कुछ भी किया है वो किसी से छुपा नहीं है।

धोनी रेगुलर क्रिकेट खेलते भी नहीं हैं सिर्फ आईपीएल ही खेलते हैं जिसका असर उनके खेल पर भी साफ तौर पर दिखता है तो एक बैटर के रूप में तो वो टीम के लिए उपयोगी नजर नहीं आते। बात रही विकेटकीपिंग की तो उसमें वो कमाल के हैं। पिछले सीजन में भी उनकी विकेटकीपिंग शानदार रही थी, लेकिन उनके घुटने की इंजरी उन्हें परेशान करती है और ये साफ तौर पर दिखता भी है।

धोनी का विकल्प टीम में मौजूद- सीएसके में अब संजू सैमसन जैसे खिलाड़ी हैं जो शानदार विकेटकीपिंग कर सकते हैं यानी धोनी का विकल्प भी टीम के पास है। 44 साल के धोनी टीम में सिर्फ अपनी पूर्व उपलब्धि के दम पर टिके हुए हैं, लेकिन कब तक। एक वक्त ऐसा आता है जब आपको कहना पड़ता है कि बस और अब वो वक्त शायद आ गया है। सीएसके के पास विकल्प की कमी नहीं है और चूंकी धोनी ने टीम के लिए इतना कुछ किया है तो वो मैदान के बाहर से भी टीम को सहयोग कर सकते हैं। सीएसके उन्हें अन्य जिम्मेदारी दे सकता है जिससे कि वो टीम के साथ भी बने रह सकते हैं और उनके अनुभव का फायदा टीम को मिलता भी रह सकता है।

दाऊद इब्राहिम की बॉलीवुड इमेज को आदित्य धर ने किया ध्वस्त, 'धुरंधर 2' में दिखा बेबस

वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई- इस फिल्म में इमरान हाशमी ने 'शोएब खान' का किरदार निभाया, जिसे दाऊद से प्रेरित माना गया। यहां वह एक स्टाइलिश डॉन के रूप में नजर आए। फिल्म में इस गैंगस्टर को चालाक और निर्दयी दिखाया गया, जो मुंबई पर राज करता है। इमरान हाशमी ने इस भूमिका में दाऊद की शुरुआती आपराधिक कारनामों को दर्शाया है। ऋषि कपूर ने 'इकबाल सेठ' का किरदार निभाया, जो साफ तौर पर दाऊद इब्राहिम से प्रेरित था। फिल्म में उनका किरदार बेहद शातिर, क्रूर और कराची में छिपकर रहने वाले एक कुख्यात अपराधी के रूप में दिखाया गया है, जो भारत के खिलाफ साजिशें रचता है। ऋषि कपूर के अभिनय की इस निगेटिव भूमिका के लिए काफी प्रशंसा की गई थी।

(गुंजन शर्मा)

बॉलीवुड में अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम को छवि लंबे समय तक एक स्टाइलिश, ताकतवर और खौफनाक माफिया के तौर पर पेश की जाती रही है। महंगे सूट, रौबदार अंदाज और सत्ता पर पकड़, यह सब फिल्मों में दाऊद जैसे किरदारों की पहचान बन रहा है। अब आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म 'धुरंधर- द रिवेंज' में भी दाऊद इब्राहिम के किरदार को दिखाया गया है, लेकिन इस बार उनकी छवि पूरी तरह अलग दिखाई गई है।

जिन लोगों ने फिल्म देख ली है उन्होंने इस बात पर गौर किया होगा। चश्मा लगाकर जो गैंगस्टर हमेशा रौब में नजर आता था वो इस बार अस्पताल के पलंग पर पड़ा हुआ है, जो चाहता तो बहुत कुछ है लेकिन कर कुछ नहीं सकता। उसे एक ऐसे व्यक्ति के रूप में दिखाया गया है जो हालात से घिरा हुआ, कमजोर और बेबस नजर आता है। यही बदलाव फिल्म को चर्चा में ले आया है।

बॉलीवुड में हमेशा स्टाइलिश और खतरनाक रही दाऊद की इमेज- अब तक कई फिल्मों में दाऊद इब्राहिम या उनसे प्रेरित किरदारों को बड़े ही ग्लैमरस और ताकतवर अंदाज में दिखाया गया है।

वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई- इस फिल्म में इमरान हाशमी ने 'शोएब खान' का किरदार निभाया, जिसे दाऊद से प्रेरित माना गया। यहां वह एक स्टाइलिश डॉन के रूप में नजर आए। फिल्म में इस गैंगस्टर को चालाक और निर्दयी दिखाया गया, जो मुंबई पर राज करता है। इमरान हाशमी ने इस भूमिका में दाऊद की शुरुआती आपराधिक कारनामों को दर्शाया है।

डी-डे- ऋषि कपूर ने 'इकबाल सेठ' का किरदार निभाया, जो साफ तौर पर दाऊद इब्राहिम से प्रेरित था। फिल्म में उनका किरदार बेहद शातिर, क्रूर और कराची में छिपकर रहने वाले एक कुख्यात अपराधी के रूप में दिखाया गया है, जो भारत के खिलाफ साजिशें रचता है। ऋषि कपूर के अभिनय की इस निगेटिव भूमिका के लिए काफी प्रशंसा की गई थी।

शूटआउट एट वडाला- इस फिल्म में सोनू सूद ने

'दिलावर इमरान' का रोल किया, जिसे दाऊद की शुरुआती जिंदगी से जोड़ा जाता है। यहां भी उनका अंदाज दबदबे वाला दिखाया गया। यह किरदार एक चतुर और उदयमान अंडरवर्ल्ड डॉन के रूप में दिखाया गया है जो मन्या सुर्वे (जॉन अब्राहम) के साथ सीधे टकराव के बजाय पर्दे के पीछे से अपनी ताकत बढ़ाता है।

कंपनी- 2002 में आई इस फिल्म में अजय देवगन ने 'मलिक' का किरदार निभाया, जो दाऊद से प्रेरित था। किरदार अंडरवर्ल्ड डॉन के शातिर दिमाग, कूटनीति और मुंबई में डी-कंपनी चलाता है। यह किरदार शांत, रणनीतिक और बेहद ताकतवर डॉन के रूप में निखरकर सामने आया।

ब्लैक फ्राइडे- अनुराग कश्यप की फिल्म 'ब्लैक फ्राइडे' में दाऊद इब्राहिम का किरदार अभिनेता विजय मौर्य ने निभाया था। इस फिल्म में दाऊद के किरदार को बहुत ही रियल और रहस्यमयी तरीके से दिखाया गया है, जो मुख्य रूप से 1993 के मुंबई बम धमाकों के मास्टरमाइंड टाइगर मेमन के साथ उसके संबंधों और साजिश के इर्द-गिर्द घूमता है।

मगर 'धुरंधर 2' में बदली तस्वीर- इन सभी फिल्मों में जहां दाऊद जैसे किरदारों को एक पावरफुल पेश किया गया, वहीं 'धुरंधर 2' इस छवि को उलट दिया। फिल्म में डॉन का किरदार परिस्थितियों से जूझता हुआ, कमजोर और कई बार लाचार नजर आता है। यह बदलाव सिर्फ सिनेमाई प्रयोग नहीं है, बल्कि उस नैरेटिव को चुनौती देने की कोशिश भी है, जिसमें अपराधियों को ग्लैमराइज किया जाता रहा है। हालांकि, इसी बदलाव को लेकर फिल्म पर प्रोपेगेंडा होने के आरोप भी लग रहे हैं।

पावरफुल डॉन रहा है दाऊद इब्राहिम- दाऊद इब्राहिम अंडरवर्ल्ड सरगना है, जिसका नाम भारत के सबसे बड़े आपराधिक मामलों और आतंकी घटनाओं से जोड़ा जाता रहा है। खासकर 1993 मुंबई बम धमाके में, जिसने देश को झकझोर कर रख दिया था।

1993 मुंबई बम धमाके- 12 मार्च 1993 को मुंबई में हुए 12 सीरियल बम धमाकों का मुख्य साजिशकर्ता अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम और उसका साथी टाइगर मेमन था। इन धमाकों को बाबरी मस्जिद विध्वंस के बदले के रूप में अंजाम दिया गया था, जिसमें 257 लोग मारे गए और 700 से ज्यादा घायल हुए थे। ये धमाका भारत के इतिहास के सबसे भयावह आतंकी हमलों में गिने जाता है। जांच में सामने आया कि इस साजिश में दाऊद इब्राहिम और उसके नेटवर्क की बड़ी भूमिका थी, जबकि टाइगर मेमन को इसका मुख्य साजिशकर्ता माना गया।

बॉलीवुड पर अंडरवर्ल्ड का दबदबा- 1990 के दशक में दाऊद इब्राहिम का बॉलीवुड पर भी काफी प्रभाव माना जाता था। फिल्म प्रोड्यूसर्स और एक्टर्स को उसकी तरफ से धमकी भरे फोन कॉल आते थे। वो कई लोगों से जबरन पैसों की वसूली किया करता था। बताया जाता है कि फिल्मों में फाइनेंसिंग के जरिए अंडरवर्ल्ड का पैसा भी लगाया जाता था, इतना ही नहीं कथित तौर पर कुछ मामलों में कलाकारों को कास्टिंग के लिए दबाव भी डाला जाता था।

तस्करी और डी-कंपनी का नेटवर्क- दाऊद इब्राहिम का आपराधिक नेटवर्क, जिसे डी-कंपनी कहा जाता है। वो कई गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल रहा है। जैसे-

1- सोने और इलेक्ट्रॉनिक्स की तस्करी।

दाऊद 1980-90 के दशक में भारत में सोने की तस्करी का बड़ा नेटवर्क चलाया करता था। जिसमें दुबई और अन्य देशों से सामान भारत लाया जाता था।

2- ड्रग्स और हथियारों की सप्लाई

दाऊद किसी भी तरह के अपराध में पीछे नहीं रहा। उस पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ड्रग्स तस्करी के आरोप भी है। इसके साथ ही उसका नाम अवैध हथियारों की आपूर्ति में भी जुड़ा है।

3- हवाला और मनी लॉन्ड्रिंग

वो अवैध पैसों को सफेद करने के लिए हवाला नेटवर्क का इस्तेमाल किया करता था। उसका ये नेटवर्क कथित तौर पर कई देशों में फैला था।

4- सुपारी किलिंग और गैंगवार

उसने कई लोगों की हत्या भी करवाई है। उस पर कई कारोबारियों की हत्या के लिए सुपारी देने के आरोप भी हैं। उस पर ये भी आरोप है कि उसने मुंबई में गैंगवार के दौर को बढ़ावा दिया। (यह लेखक के अपने विचार हैं)

महावीर जयंती पर केशकाल में भक्ति और सेवा का संगम, समाज में उत्साह का माहौल

केशकाल। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी केशकाल में भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव पूरे श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। समाज की जिनशासन महिला संगठन द्वारा 28 मार्च से 31 मार्च तक चार दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है, जिसमें धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों की श्रृंखला देखने को मिल रही है। महोत्सव के दौरान प्रतिदिन सुबह 5:30 बजे से 7:00 बजे तक भव्य शोभायात्रा विभिन्न स्थानों पर निकाली जा रही है। इस शोभायात्रा के माध्यम से अहिंसा, शांति और परमो धर्म का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत सेवा कार्यों को भी विशेष महत्व दिया गया है। समाज द्वारा जगह-जगह शर्बत वितरण किया जा रहा है, वहीं अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों के लिए खिचड़ी वितरण की व्यवस्था भी की गई है। जिनशासन महिला संगठन की महिलाओं ने हर कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेकर आयोजन को सफल बनाया है।

बता दें कि 30 मार्च की संध्या को ओसवाल भवन में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों, महिलाओं और समाज के लोगों ने आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। वहीं 31 मार्च को महावीर जन्म कल्याणक के अवसर पर पूरे दिन विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव के दौरान समाज के पुरुषों, महिलाओं और बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। आयोजन का मुख्य उद्देश्य भगवान महावीर के उपदेश– अहिंसा, शांति, समभाव और विश्व कल्याण की भावना को जन-जन तक पहुंचाना है। उल्लेखनीय है कि भगवान महावीर स्वामी, जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर, का जन्म लगभग 2600 वर्ष पूर्व चैत्र शुक्ल त्रयोदशी के दिन कुंडलपुर (बिहार) में हुआ था। उन्होंने त्याग, तपस्या और आत्मज्ञान के माध्यम से समाज को अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह का मार्ग दिखाया। महावीर जयंती जैन धर्म का सबसे पवित्र पर्व माना जाता है, जिसमें प्रभात फेरी, पूजा-अर्चना, दान-पुण्य और जीव दया जैसे कार्यों के माध्यम से जियो और जीने दो का संदेश दिया जाता है। केशकाल में आयोजित यह महोत्सव न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि समाज सेवा और मानव कल्याण की भावना को भी मजबूती प्रदान कर रहा है।

कोंटा बस स्टैंड में गरजी युवा कांग्रेस, अस्पताल, आवासीय विद्यालय और कानून व्यवस्था मजबूत करने की उठी मांग

कोंटा। बस स्टैंड में युवा कांग्रेस द्वारा स्वास्थ्य, शिक्षा एवं कानून व्यवस्था को लेकर एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष आर्यन चौहान के नगर आगमन पर कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं और पटाखों के साथ स्वागत किया। इसके बाद आयोजित सभा में क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लेकर चर्चा की गई और सरकार के खिलाफ नाराजगी जताई गई। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि क्षेत्र में शिक्षा व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाएं और कानून व्यवस्था कमजोर होती जा रही है, जिससे आम जनता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार इन बुनियादी मुद्दों पर विफल रही है और जल्द सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। धरना प्रदर्शन के बाद कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर के नाम अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कोंटा सामुदायिक अस्पताल में डेंटल डॉक्टर, नेत्र विशेषज्ञ एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ की अनुपलब्धता का मुद्दा उठाया गया। बताया गया कि विशेषज्ञ डॉक्टरों के अभाव में अस्पताल में मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। साथ ही कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय कोंटा में छात्रा के गर्भवती होने के मामले की निष्पक्ष जांच दोषियों पर कार्रवाई की मांग की गई तथा कानून व्यवस्था मजबूत करने की बात कही गई। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी के जिला उपाध्यक्ष सुधीर पांडेय, सुरेश चौहान, जिला पंचायत सदस्य सोयम भीमा, जिला महामंत्री अंबाटी देवेंद्र, दयावती मरकाम, ब्लॉक कांग्रेस कोंटा अध्यक्ष उस्मान अली, ब्लॉक युवा कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष नामीर अली, पूर्व जनपद अध्यक्ष सुत्रम नागेश, जिला कांग्रेस कमेटी सचिव प्रियंका, नगर अध्यक्ष सुरेश कुमार, पार्षद सूरज, सेमल कुमारी, सैफ अली, युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष राजू, युवा कांग्रेस महासचिव पवन, ब्लॉक उपाध्यक्ष शेख शब्बीर, रवि कुमार, बालराजू, आदम, आकाश, दीपक सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खदान मजदूर संघ शाखा किरंदुल द्वारा किया गया नवनियुक्त विधायक प्रतिनिधि का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन

किरंदुल। दंतेवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक चैतराम अटामी द्वारा किरंदुल के पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह को विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किये जाने के पश्चात भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध खदान मजदूर संघ शाखा किरंदुल के कार्यालय में प्रथम आगमन पर यूनियन के अध्यक्ष बी. दिल्ली राव, सचिव महेंद्र कुमार सहित समस्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा स्वागत अभिनंदन किया गया एवं शुभकामनायें दी गई। नवनियुक्त विधायक प्रतिनिधि शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि मुझे जो दायित्व सौंपा गया है, उसका निर्वहन मैं पूर्ण कर्तव्यनिष्ठा के साथ करूंगा तथा आप लोगों से जो सहयोग मिलता रहा है, भविष्य में भी हम सब मिलकर जनहित में कार्यों का संपादन करते रहेंगे। इस अवसर पर खदान मजदूर संघ शाखा किरंदुल के राजेंद्र यादव, दानेश्वर जोशी, उपेंद्र त्रिपाठी, लक्ष्मीनाथ पोयाम, सहित बड़ी संख्या में मातृशक्तियाँ उपस्थित थे।

नव नियुक्त विधायक प्रतिनिधि शैलेन्द्र सिंह का भव्य स्वागत, गजमाला पहनाकर दी गई बधाई

किरंदुल। एस.सी. मोर्चा के मंडल अध्यक्ष आनंद कुमार चुन्नम एवं वार्ड क्रमांक 05 की पार्षद यशोदा चुन्नम, एस.सी. मोर्चा के सदस्यों एवं पार्षदगणों द्वारा नव नियुक्त विधायक प्रतिनिधि शैलेन्द्र सिंह का भव्य एवं गरिमामय स्वागत किया गया। इस अवसर पर उन्हें गजमाला पहनाकर सम्मानित किया गया तथा फूल-मालाओं से अभिनंदन करते हुए उनके प्रति सम्मान एवं विश्वास प्रकट किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह, सभी पार्षदगण एवं बड़ी संख्या में एस सी मोर्चा के सदस्य उपस्थित रहे, जिससे पूरा माहौल उत्साह एवं उमंग से परिपूर्ण रहा। उपस्थित सभी लोगों ने एक स्वर में शैलेन्द्र सिंह के नेतृत्व एवं उनके अनुभव की सराहना की और उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

बता दे कि शैलेन्द्र सिंह इससे पूर्व 02 बार पार्षद एवं 01 बार नगर पालिका अध्यक्ष के पद पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने जनसमस्याओं के निराकरण, क्षेत्रीय विकास एवं सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाई है। उनके अनुभव, नेतृत्व क्षमता एवं जनसेवा के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें विधायक प्रतिनिधि के रूप में यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस अवसर पर एस सी मोर्चा मंडल अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि शैलेन्द्र सिंह का दीर्घ अनुभव एवं सकारात्मक सोच क्षेत्र के सर्वांगीण विकास में मील का पत्थर साबित होगा एवं उनके मार्गदर्शन में क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी और आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित होगा। कार्यक्रम के दौरान सभी पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने शैलेन्द्र सिंह को गजमाला एवं पुष्पहार पहनाकर सम्मानित किए अंत में सभी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने संगठन की मजबूती, आपसी एकजुटता एवं क्षेत्र के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ, जिसमें सभी ने एक-दूसरे का आभार व्यक्त किया।

कृषि विज्ञान केंद्र, नारायणपुर में आदिवासी उपयोजनांतर्गत कृषक प्रशिक्षण आयोजित

नारायणपुर। कृषि विज्ञान केंद्र, नारायणपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. दिबेंदु दास के अध्यक्षता में अखिल भारतीय समन्वित सोयाबीन अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत आदिवासी उपयोजना के तहत एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण आयोजित किया गया, डां.दिबेंदु दास ने कार्यक्रम में नारायणपुर अंचल से आए ग्रामीण आदिवासी किसानों को सोयाबीन फसल की उन्नत खेती, सोयाबीन के लाभ, उन्नत किस्मों के उपयोग बारे किसानों को विस्तृत जानकारी दिया। इस अवसर पर डॉ. हरेंद्र कुमार टोंडे ने किसानों को सोयाबीन फसलों की उन्नत खेती, उत्तम बीज का चुनाव, बीज उपचार करने की विधि, बोआई का सही समय और विधि, फसल में खाद एवं उर्वरक प्रबंधन, खरपतवार प्रबंधन, फसल की कटाई का सही समय, किसानों को सोयाबीन बीज भंडारण की उचित विधि, और फसल चक्र अपनाकर अधिक उत्पादन प्राप्त करने की वैज्ञानिक तकनीकों के बारे में जानकारी दिया। इसी क्रम में डां. आलिया अफरोज ने सोयाबीन में लगने वाले कीटो की पहचान और उसके उचित प्रबंधन करने के उपाय किसानों को बताए और इंद्र कुमार ने सोयाबीन पर लगने वाले रोगों की पहचान किसानों को करने और उचित प्रबंधन का सही उपाय बताया इस कार्यक्रम में डॉ. ललित वर्मा, डॉ अंकिता सिंह सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के बाद किसानों को प्रक्षेत्र भ्रमण कराया गया।

किरन्दुल हरि मंदिर मार्ग पर गड्ढों की समस्या का समाधान, एनएमडीसी के सहयोग से हुआ कार्य पूर्ण

किरंदुल। किरंदुल नगर के सुभाष नगर में स्थित हरि मंदिर के सामने लंबे समय से सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्ढे आम जनता के लिए परेशानी का कारण बने हुए थे।इन गड्ढों के कारण आए दिन राहगीरों, दोपहिया वाहन चालकों एवं श्रद्धालुओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। जिस पर संज्ञान लेते हुए एनएमडीसी प्रबंधन सिविल विभाग द्वारा गड्ढा पाटने का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया गया, इस दौरान एनएमडीसी के वरिष्ठ अधिकारी महेश समवेटा स्वयं मौके पर उपस्थित रहे और कार्य की निगरानी की। हरि मंदिर के सामने, साईं किराना स्टोर से लेकर सुभाष किराना स्टोर चौक तक सड़क के सभी गड्ढों को भरकर सड़क को समतल किया गया,इस कार्य के पूर्ण होने से अब आम जनता, वाहन चालकों एवं श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिली हैं।

युवाओं को रोजगार से जोड़ने में कारगर पहल, नेशनल कैरियर सर्विस पोर्टल

दंतेवाड़ा। भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा संचालित नेशनल कैरियर सर्विस पोर्टल आज के डिजिटल दौर में नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए एक प्रभावी मंच के रूप में उभर रहा है। यह पोर्टल युवाओं को नौकरी, करियर परामर्श एवं कौशल विकास से जुड़ी सभी सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराता है, जिससे उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त हो सकें। इस पोर्टल के माध्यम से निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र की नौकरियों की जानकारी, रोजगार मेलों की सूचना, व्यावसायिक मार्गदर्शन, स्किल कोर्स एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों तक आसानी से पहुंच बनाई जा सकती है। इच्छुक अभ्यर्थी मुफ्त पंजीकरण कर अपनी प्रोफाइल तैयार कर सकते हैं, जिसके आधार पर नियोक्ताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई रिक्तियों से उनका मिलान किया जाता है। नेशनल कैरियर सर्विस पोर्टल पर करियर काउंसलिंग की सुविधा भी उपलब्ध है, जहां मान्यता प्राप्त काउंसलर्स द्वारा ऑनलाइन एवं ऑफलाइन मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। इसमें डिजिटल स्किल्स, रोजगार क्षमता बढ़ाने और स्व-रोजगार के विकल्पों पर विशेष फोकस किया जाता है। इसके साथ ही युवाओं को रोजगार-योग्य बनाने के उद्देश्य से अप्रेंटिसशिप, इंटर्नशिप, स्किल कोर्स एवं विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम भी पोर्टल पर उपलब्ध हैं। किसी भी प्रकार की सहायता के लिए बहुभाषी हेल्पलाइन नंबर 1514 (मंगलवार से रविवार, सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक) पर संपर्क किया जा सकता है।

चाकू से हत्या के प्रयास करने वाले आरोपी लकी सिंग को थाना केशकाल पुलिस द्वारा किया गया गिरफ्तार

कोण्डागांव। सूचना मिला कि चाकू से घायल एक लड़की को सीएचसी केशकाल में भर्ती किये है की सूचना प्राप्त होने से तस्दीकी हेतु हमराह स्टाफ सउनि. सुरेश मरकाम, मआर. 609 सविता गंगराले के अस्पताल पहुँचकर घायल पीड़िता से पुछताछ किया उसके द्वारा बताया गया कि लक्की नाम के लड़के से पहले बातचीत करती थी घर वालो के द्वारा मना करने पर बातचीत करना छोड़ दी थी। गांधी मार्ट से काम कर जाते समय शाहिद हन्फी मुर्गी दुकान के पास रात्रि 09:30 बजे पहुंची थी उसी समय सामने से लक्की अचानक आकर तुम मेरे से बात नही करते हो जान से मार दूंगा कहकर पूर्व से हाथ में रखे चाकू से इसके ऊपर सीने पर प्राण घात हमला किया आहत पीड़िता के द्वारा बीच बचाव करने पर चाकू उसके बायें हाथ जांघ पर लगा प्रार्थिया अस्पताल में भर्ती है। आरोपी लक्की सिंग का कृत्य धारा 109 बीएनएस का पाये जाने से अपराध पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया। आरोपी घटना कारित कर घटना दिनांक से फरार था जिसे पुलिस अधीक्षक पंकज चन्द्रा के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कपिल चंद्रा एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी केशकाल अरुण कुमार नेताम के पर्यवेक्षण में थाना केशकाल एवं साइबर टीम के जरिये लगातार प्रयास कर गिरफ्तार किया गया। आरोपी लक्की सिंग उर्फ उरवानुष भेलवा पिता स्व. तस्वीर सिंग निवासी सोरिद डिपो पारा, थाना जिला धमतरी को हिरासत में लेकर कर पूछताछ किया गया जो अपना जुर्म स्वीकार करने पर आरोपी को विधिवत 29 मार्च को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में जेल भेजा गया।

जगदलपुर में जनजातीय खेल महाकुंभ का होगा शंखनाद

■ पहले दिन दिखेगा रफ़्तार और शक्ति का संगम

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिला स्थित क्रीड़ा परिसर, धरमपुरा में पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स - 2026 का भव्य आगाज़ होने जा रहा है। इस ऐतिहासिक आयोजन के पहले दिन देश के विभिन्न राज्यों से आए जनजातीय एथलीट अपनी खेल प्रतिभा का परिचय देंगे। सुबह की पहली किरण के साथ ही मैदान धावकों की पदचापों से गूँज उठेगा, जहाँ सुबह 06:30 बजे पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ के फाइनल मुकाबले के साथ आधिकारिक प्रतिस्पर्धाओं की शुरुआत होगी। इस लंबी दूरी की दौड़ के तुरंत बाद सुबह 06:50 बजे महिलाओं की 5000 मीटर स्पर्धा का फाइनल आयोजित किया जाएगा, जिसमें विभिन्न राज्यों की धाविकाएं अपनी सहनशक्ति का प्रदर्शन करेंगी। जैसे-जैसे दिन चढ़ेगा, ट्रैक पर बाधा दौड़ (हर्डल्स) के रोमांचक हीट मुकाबले शुरू होंगे। पुरुषों की 110 मीटर और महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ में खिलाड़ी अपनी तकनीकी निपुणता के साथ फाइनल में जगह पक्की करने के लिए जोर लगाएंगे। दोपहर के पूर्व सत्र में ही महिलाओं और पुरुषों की 400 मीटर दौड़ के प्रारंभिक दौर भी संपन्न होंगे, जहाँ एथलीटों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी। दोपहर बाद के सत्र में खेल प्रेमियों का ध्यान ट्रैक के साथ-साथ फील्ड इवेंट्स पर भी केंद्रित रहेगा। शाम 04:00 बजे से पुरुषों के डिस्कस थ्रो (चकती फेंक) और लॉन्ग जंप (लंबी कूद) के फाइनल मुकाबलों में खिलाड़ी अपनी शक्ति और चपलता का प्रदर्शन कर पदक तालिका में स्थान बनाने की कोशिश करेंगे। वहीं शाम ढलते-ढलते महिलाओं के शॉट पुट (गोला फेंक) फाइनल और 400 मीटर की मुख्य दौड़ दर्शकों को रोमांचित करेगी।

दिन का समापन 4×100 मीटर रिले के हीट मुकाबलों के साथ होगा, जहाँ विभिन्न राज्यों की टीमों के बीच बेहतरीन तालमेल और बिजली जैसी रफ़्तार देखने को मिलेगी। पहले दिन के अंत तक कुल 9 श्रेणियों में पदक वितरण समारोह आयोजित किए जाएंगे, जो विजयी खिलाड़ियों के उत्साह को नई ऊँचाइयों पर ले जाएंगे।

जनगणना कार्य हेतु फील्ड ट्रेनरों की तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

कोण्डागांव। जनगणना कार्य के प्रथम चरण के लिए जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जनगणना फील्ड ट्रेनरों की तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतिम दिन अपर कलेक्टर चित्रकांत चाली ठाकुर द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनगणना निदेशालय छत्तीसगढ़ रायपुर से कोंडागांव जिले के लिए नियुक्त नोडल अधिकारी संतोष मंडे एवं जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स वेणुगोपाल राव के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। सभी फील्ड ट्रेनर्स जिला स्तर प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने-अपने चार्ज अधिकारी स्तर पर तीन दिवसीय सुपरवाइजर प्रकरणों को ट्रेनिंग दिया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रथम चरण के जनगणना कार्य सम्बंधी भवन एवं मकान क्रमांकन करने के संबंध में जानकारी दी गई। इस दौरान मकान सूचीकरण, फील्ड में डाटा संकलन, एचएलओ मोबाइल एप के माध्यम से डाटा प्रविष्टि के बारे में विस्तार से बताया गया। उल्लेखनीय है कि जनगणना कार्य के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकान गणना का कार्य 01 मई से 30 मई तक किया जाएगा, जिसके लिए डाटा संकलन केवल डिजिटल माध्यम से किया जाएगा।

किरन्दुल सुभाष नगर में श्री श्री हरिचांद ठाकुर की 214 तम जन्मोत्सव का आयोजन

किरंदुल। श्री श्री हरिचांद ठाकुर जी का 214 तम जन्मोत्सव का आयोजन कल्पतरु श्री श्री हरिचांद सेवा संघ सुभाष नगर किरन्दुल के तत्वाधान में किया जा रहा है। आयोजन के प्रथम दिवस सुबह 11:00 बजे किरंदुल श्री श्री हरिचांद मंदिर परिसर से मातृ शक्तियों ने गंगावरण किया। इस दौरान सैकड़ो महिलाओं ने हरिनाम कीर्तन कर ढोल के थाप पर नाचते गाते बंगाली कैंप तालाब से जल भरकर श्री श्री हरिचांद मंदिरमें पूजा पाठ किया।

संक्षिप्त समाचार

भावसर फॉउन्डेशन द्वारा दो दिवसीय कार्यक्रम का समापन

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड द्वारा संचालित रैम्प योजना के अन्तर्गत भावसर फॉउन्डेशन द्वारा दो दिवसीय कार्यक्रम का समापन जेएसएस नवापारा अम्बिकापुर में दो दिवशीय उन्नत कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआए जो ज्ञान और नई शुरूवात का प्रतिक है। कार्यक्रम का उद्देश्य युवा एवं उभरते उद्यमिंयों को विभिन्न शासकिय प्रोत्साहन योजनाओं एवं अनुदानों की जानकारी प्रदान करना तथा उनकी क्षमता का विकास करना । प्रशिक्षण के प्रमुख विषय: व्यवसायिक इकाइयों के प्रकार अनुबंध एवं कानूनी प्रलेखन नवीन ओद्यौगिक नीति विपणन रणनीतियाँ व्यवसाय योजना निर्माण प्रशिक्षण सत्रों का संचालन प्रतिष्ठित विशेषज्ञों द्वारा किया गया जिसमें मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष चेम्बर ऑफ कार्मस मुकेश अग्रवाल, कैट के जिला उपाध्यक्ष पंकज गुप्ता, प्राचार्य लाईवलीहुड़ कॉलेज अम्बिकापुर गिरीश गुप्ता , पूर्व बीपीओ अशोक सिंह , सुजीत जायसवाल, रिशोर्श पर्सन के रूप में श्री अभिषेक सिंह चैटर्टेड अकाउंटेंट, जेएसएस निदेशक एम सिद्दिकी एवं प्रतिभागी उपस्थित थे।

पानी टंकी की सीढ़ियों पर मिली लाश, डंडे से हत्या..आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। सीपत थाना क्षेत्र के सेलर बरभांठा गांव में उस वक्त सनसनी फैल गई जब पानी टंकी की सीढ़ियों पर एक युवक की लाश पड़ी मिली और कुछ ही घंटों की जांच में यह साफ हो गया कि यह कोई हादसा नहीं बल्कि बेरहमी से की गई हत्या है, पुलिस ने तेजी दिखाते हुए आरोपी अनिल केंवट को गिरफ्तार कर पूरे मामले का पर्दाफाश कर दिया। घटना की शुरुआत 29 मार्च को तब हुई जब सूचक शत्रुहन धुरी ने सूचना दी कि राजू धुरी पानी टंकी की सीढ़ियों पर मृत अवस्था में पड़ा है, सूचना मिलते ही सीपत पुलिस मौके पर पहुंची, मर्ग कायम कर शव का पंचनामा किया गया और घटनास्थल की बारीकी से जांच शुरू हुई, गवाहों के बयान और परिस्थितियों ने हत्या की ओर इशारा किया, जांच आगे बढ़ी तो शक की सुई अनिल केंवट पर जाकर टिक गई, पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की तो उसने पूरी वारदात उगल दी। आरोपी अनिल केंवट, पिता स्वर्गीय रामकुमार केंवट, उम्र 40 वर्ष, निवासी सेलर बरभांठा, ने बताया कि वह पानी टंकी की रेलिंग पर सोता था, 28 मार्च की रात करीब 9 बजे खाना खाकर सो रहा था तभी मृतक राजू धुरी वहां पहुंचा और उसे आवाज दी, आरोपी ने उसे वहां से जाने को कहा लेकिन राजू वहीं रुक गया, इसी बात पर आरोपी भड़क गया और पास में पड़े बांस के डंडे से उसके सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिए, जिससे गंभीर चोट लगने पर मौके पर ही उसकी मौत हो गई, पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त बांस का डंडा भी बरामद कर लिया है। पूरी कार्रवाई के बाद आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। यह वारदात एक बार फिर यह साबित करती है कि मामूली विवाद भी कब खौफनाक अंजाम ले ले, कहना मुश्किल है—गुस्से का एक पल जिंदगी छीन सकता है और उम्रभर की सजा दे सकता है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने 30,000 करोड़ से अधिक मूल माल राजस्व अर्जन कर स्थापित की नई उपलब्धि !

बिलासपुर। देश की ऊर्जा एवं औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखला को सुदृढ़ आधार प्रदान करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए ?30,000 करोड़ से अधिक का ऑरिजिनेटिंग फ्रेट रेवेन्यू अर्जित किया है। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि 28 मार्च 2026 को मात्र 362 दिनों में प्राप्त की गई, जो अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने पहली बार ?30,000 करोड़ का आंकड़ा पार करते हुए अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। 29 मार्च 2026 तक यह राजस्व बढ़कर ?30,123.26 करोड़ तक पहुँच गया है, जो इसकी निरंतर प्रगति और सुदृढ़ प्रदर्शन को दर्शाता है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के साथ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने भारतीय रेल के कुल माल राजस्व में लगभग 17.11 प्रतिशत का योगदान दिया है। साथ ही चालू वित्तीय वर्ष में पिछले वर्ष की तुलना में लगभग ?1015 करोड़ की अतिरिक्त आय अर्जित की गई है, जो लगभग 3.5 प्रतिशत की वृद्धि को इंगित करता है।

भाजपा स्थापना दिवस एवं अंबेडकर जयंती कार्यक्रमों को लेकर बैठक सम्पन्न

जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया की अध्यक्षता में 6 से 12 अप्रैल तक बूथ व गांव स्तर पर व्यापक आयोजन की रूपरेखा तय.........

अम्बिकापुर । भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस 6 अप्रैल से 12 अप्रैल तक आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों एवं आगामी भीमराव अंबेडकर जयंती की तैयारियों को लेकर जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया की अध्यक्षता में संकल्प भवन में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा पर चर्चा करते हुए संगठन को बूथ एवं गांव स्तर तक सक्रिय करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि समर्पित एवं कर्मठ कार्यकर्ताओं के बल पर ही भारतीय जनता पार्टी आज विश्व की सबसे बड़ी संगठनात्मक पार्टी बनी है। उन्होंने अंबेडकर जयंती के अवसर पर मंडलों में अनुसूचित जाति समाज के तथा अन्य प्रमुख व्यक्तियों का सम्मान, स्वच्छता अभियान, प्रतिमाओं की साफ-सफाई एवं दीप प्रज्वलन जैसे कई कार्यक्रम आयोजित करने का आह्वान किया। लुंड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने कहा कि 1980 में स्थापित भारतीय जनता पार्टी ने अल्प समय में अभूतपूर्व

विस्तार किया है। संगठन की सबसे बड़ी विशेषता सभी को साथ लेकर चलना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से स्थापना दिवस के कार्यक्रमों को गांव-गांव तक पहुंचाने एवं कार्यकर्ताओं द्वारा अपने घर में पार्टी का ध्वज लगाने का आग्रह किया। महापौर मंजूषा भगत ने कहा कि स्थापना दिवस को उत्साहपूर्वक मनाया जाएगा तथा महिला मोर्चा की कार्यकर्ता रंगोली जैसे रचनात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से सहभागिता बढ़ायेंगी। उन्होंने कहा कि हम सब प्रथम में पार्टी के कार्यकर्ता हैं और बाद में जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी हैं । अनिल सिंह मेजर ने कहा कि पार्टी की दूरदर्शिता के अनुरूप बूथ स्तर तक जनसंपर्क बढ़ाते हुए अधिक से अधिक लोगों को जोड़ना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने 2047 के लक्ष्य को कार्यकर्ताओं के बल पर प्राप्त करने का विश्वास व्यक्त किया। जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ही ऐसा संगठन है जहां सामान्य कार्यकर्ता भी अपनी मेहनत और समर्पण के बल पर उच्च पदों तक पहुंच सकता है। बैठक में केंद्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व की सराहना करते हुए त्रिलोक कपूर कुशवाहा ने विचार व्यक्त किए। जिला महामंत्री विनोद हर्ष ने प्रशिक्षण महाभियान एवं आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। जिला उपाध्यक्ष मधुसूदन शुक्ला ने भी संगठनात्मक विषयों पर मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम का संचालन अरुणा सिंह ने किया तथा आभार वैभव सिंह देव ने व्यक्त किया। बैठक में मधु चौदाहा, चंद्रिका यादव, लाल बहादुर शास्त्री, जनेमेजय मिश्रा, रज्जु राम, निश्छल प्रताप सिंह, शुभांगी बिहाडे, प्रिया सिंह, निशांत सिंह शोलू सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बहु प्रशिक्षित मांग हुई पूरी डोडा केसरा से डांड केसरा मार्ग की मिली स्वीकृति

सरगुजा। सरगुजा जिले के आकांक्षी विकासखंड लखनपुर के सुदूर वनांचल क्षेत्र में विधायक प्रबोध मिंज के द्वारा पूर्व में किए गए वादे को पूरा करते हुए लगातार विकास कार्य किया जा रहे हैं ने जब से क्षेत्र के विधायक के रूप में अपना दायित्व संभाला तबसे पूरे विधानसभा के साथ साथ भाजपा मण्डल कुन्नी का यह वनांचल क्षेत्र विकास के एक नए आयाम को छू रहा है, क्षेत्र की जनता जनार्दन से पूर्व में किए घोषणा को पूरा करते हुए आदरणीय विधायक के द्वारा बहुप्रतीक्षित मांग ढ़ोढ़ाकेसोरा से डांडकेसरा तक 7.10 कि. मी . तक पक्की सड़क निर्माण कुल राशी 1445.64(चौदह करोड़ पैंतालीस लाख चौंसठ हजार रुपयों) की स्वीकृति दिलाई है इस रोड की स्वीकृति मिलने पर पूरा क्षेत्र खुशियां मना रहा है गौरवान्वित हैं अपने विधायक पर की इस अल्प समय में ही क्षेत्र के विकास के लिए अपना पूरा जोर लगा दिया, प्राय: सभी प्रमुख सड़कों की स्वीकृति आपने दिलादी और सड़कों के कार्य भी प्रारंभ है। जो क्षेत्र कभी पहुंच विहीन कहा जाता था वो आज मुख्य मार्ग से जुड़कर अपनी समस्याओं से दूर हो रहा है ,यही नहीं यह मार्ग सीतापुर, रायगढ़ जैसे शहरों से भी जोड़ेगा । माननीय विधायक जी आपके विकास की इन गाथाओं को यह क्षेत्र आजीवन याद रखेगा ,हमें

खुद पर भी गर्व है कि हमने आप जैसे विधायक को चुना है। इस बहुप्रतीक्षित मांग के पूरा होने पर पूरे क्षेत्र वासियों ने विधायक प्रबोध मिंज , आभार जताया है।

घटिया निर्माण की भेंट चढ़ा आंगनवाड़ी भवन,पुनर्निर्माण की माँग कर रहे ग्रामीण

लखनपुर। विकासखंड अंतर्गत ग्राम कटिन्दा के एक आंगनबाड़ी भवन के निर्माण में घटिया निर्माण की बात निकलकर सामने आई है जहां आंगनबाड़ी का निर्माण घटिया तरीके से किया जा रहा है। पूरा मामला लखनपुर विकासखंड के ग्राम कटिंदा का है जहां ग्रामीणों ने आंगनबाड़ी निर्माण को लेकर घटिया निर्माण किए जाने का गंभीर आरोप लगाया है। ग्राम कटिंदा के ग्रामीण मोहर साय सिंह सहित अन्य ग्रामीणों का आरोप है कि आंगनबाड़ी का निर्माण बिना सूचना पटल के घटिया तरीके से किया गया है जहाँ आंगनबाड़ी के छत की ढलाई में गुणवत्ता का बिल्कुल ध्यान नही दिया गया है। आंगनबाड़ी की छत में अंदर से देखने पर ढलाई में प्रयुक्त गिट्टी साफ तौर पर देखी जा सकती है वही दीवालों के बीच जोड़ों में भी

ढंग से कार्य नहीं किया गया है तथा आधा अधूरा कार्य करके आंगनवाड़ी भवन को तैयार कर दिया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि आंगनबाड़ी में घटिया निर्माण की झलक साफ तौर पर देखा जा सकती है ऐसे में निर्माण के बाद कितने दिन तक यह भवन चलेगा यह सुनिश्चित नहीं है। आंगनबाड़ी का निर्माण हाल में ही किया गया है जहाँ आंगनबाड़ी भवन की हालत देख कर ऐसा लगता है मानो केवल शासकीय पैसे का खुला दुरुपयोग किया गया हो। ग्रामवासियों ने बताया कि ग्राम के निर्माण एजेंसी से ही इस आंगनबाड़ी का निर्माण किया जा रहा है तथा इस आंगनबाड़ी की पुनर्निर्माण जरूरी है और इस प्रकार के घटिया निर्माण की जांच करते हुए इसके निर्माण की राशि रोक उचित कार्यवाही की जाए ताकि बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो सके।

राजीव गांधी पी.जी. कॉलेज,अंबिकापुर में एम लिब (MLib) पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की मांग

- उच्च शिक्षा के विस्तार हेतु एम.लिब कोर्स शुरू करने की आवश्यकता
- आजाद सेवा संघ के द्वारा उच्च शिक्षा विभाग के सचिव को पत्र लिखकर किया मांग

अम्बिकापुर, छत्तीसगढ़। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मुद्दे को उठाते हुए आज़ाद सेवा संघ छत्तीसगढ़ के प्रदेश सचिव ने उच्च शिक्षा विभाग के सचिव को पत्र लिखकर अम्बिकापुर स्थित में एम.लिब. (मास्टर ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस) पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने की मांग की है। अपने पत्र में श्री रचित मिश्रा ने बताया कि राजीव गांधी पी.जी. कॉलेज, अम्बिकापुर सरगुजा संभाग का एक प्रमुख शैक्षणिक संस्थान है, जहां से प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं बी.लिब. (बैचलर ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस) की पढ़ाई पूर्ण करते हैं। सत्र 2024-25 में भी कई विद्यार्थियों ने यह पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण किया है, जो आगे उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक हैं। उन्होंने तथ्यात्मक रूप से यह भी उल्लेख किया कि वर्तमान में पूरे सरगुजा संभाग में कहीं भी एम.लिब. पाठ्यक्रम संचालित नहीं हो रहा है। इस कारण विद्यार्थियों को रायपुर, बिलासपुर अथवा अन्य बड़े शहरों का रुख करना पड़ता है। दूरस्थ स्थानों पर जाकर पढ़ाई करना न केवल आर्थिक रूप से महंगा पड़ता है, बल्कि रहने-खाने एवं

अन्य व्यवस्थाओं के कारण विद्यार्थियों और उनके परिवारों पर अतिरिक्त बोझ भी बढ़ता है। श्री मिश्रा ने यह भी कहा कि सरगुजा संभाग के अंतर्गत आने वाले जिलों — सरगुजा, कोरिया, सूरजपुर, बलरामपुर एवं जशपुर — के अनेक छात्र-छात्राएं पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं, किन्तु स्थानीय स्तर पर एम.लिब. की सुविधा उपलब्ध न होने के कारण उनकी पढ़ाई बीच में ही रुक जाती है या उन्हें मजबूरी में अन्य क्षेत्रों का चयन करना पड़ता है। उन्होंने आगे बताया कि नई शिक्षा नीति (हश्वक) के तहत भी उच्च शिक्षा के विस्तार एवं स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया है। ऐसे में अम्बिकापुर जैसे शैक्षणिक केंद्र में एम.लिब. पाठ्यक्रम प्रारम्भ करना समय की मांग है, जो क्षेत्रीय शैक्षणिक विकास को गति प्रदान करेगा। आज़ाद सेवा संघ ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि विद्यार्थियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए इस विषय पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लिया जाए एवं आगामी शैक्षणिक सत्र से ही एम.लिब. पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं।

राजीव गांधी महाविद्यालय मेंटीचिंग लर्निंग मेथड' विषय पर फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन

अंबिकापुर। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर में दिनांक 23/03/2026 से 30/03/2026 तक 'टीचिंग लर्निंग मेथड' विषय पर फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया यह आयोजन मूलत: शिक्षकों के प्रशिक्षण से सम्बंधित था इस कार्यक्रम के अंतर्गत अध्यापन की विविध पद्धतियों से सम्बन्धित व्याख्यान का आयोजन किया गया उद्घाटन और समापन सत्र के अतिरिक्त कुल 10 सत्रों में देश के विभिन्न हिस्सों से जुड़े विषय-विशेषज्ञों ने अपने वक्तव्य दिए फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के संयोजक प्रो. राजकमल मिश्र ने बताया कि इस दौरान लर्निंग आउटकम,प्रॉब्लम सॉल्विंग तकनीक,क्रिटिकल एवं अनालिटिकल लर्निंग,प्रश्नपत्र निर्माण, संज्ञानात्मक शिक्षण, शिक्षण-भाषा,सहभागिता आधारित शिक्षण, शिक्षण में ड्डङ्क व ्ड्ड तकनीकों का इस्तेमाल जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा-परिचर्चा हुई 7 प्रो.मिश्र के अनुसार इस कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की चुनौतियों को स्वीकार करते हुए अपने शिक्षण को अधिक समावेशी और समयानुकूल बनाना है कार्यक्रम के उद्घाटन में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सरगुजा संभाग के क्षेत्रीय अपर संचालक प्रो.रिजवान उल्ला ने कहा कि पी जी कॉलेज में आयोजित होने वाले इस तरह के कार्यक्रम पूरे सरगुजा संभाग के विभिन्न महाविद्यालयों के शिक्षकों को शामिल होने का एक मौक़ा प्रदान करते हुए उन्हें भी इस तरह के आयोजनों की प्रेरणा देता है 7 मुख्य वक्ता के रूप में प्रो.पी.पी. सिंह,पूर्व कुलपति संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय ने इस बात की गंभीरता की और संकेत किया कि एक शिक्षक के रूप में शिक्षण में नवाचार और नवीन शोध को बढ़ावा देना हमारी अनिवार्य ड्यूटी है 7 कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य प्रो.अनिल कुमार सिन्हा ने कहा कि हमारा महाविद्यालय निरंतर इस तरह के कार्यक्रमों को आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध है,जिससे हम शिक्षण में नवाचार को बढ़ावा देते हुए अपने विद्यार्थियों को समय के अनुरूप तैयार कर सकें 7 उन्होंने आगे कहा कि किताबी ज्ञान से आगे बढ़कर विद्यार्थियों में जीवन की बेहतर समझ कैसे विकसित हो कि वे देश के जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपने उद्देश्य को निश्चित कर पायें, इसके लिए पहला कदम शिक्षकों को प्रशिक्षित करना है और यह फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम उसी की एक कड़ी है कार्यक्रम के समापन सत्र में वी.वाई.टी. दुर्ग के पूर्व प्राचार्य प्रो.आर.एन.सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेउन्होंने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक का व्यवहार और उसकी शिक्षण-पद्धति विद्यार्थी के जीवन में आमूल-चूल परिवर्तन पैदा कर सकती है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय महा प्रशिक्षण अभियान के अंतर्गत दो दिवसीय लखनपुर मंडल प्रशिक्षण वर्ग संपन्न

अम्बिकापुर । लखनपुर में भारतीय जनता पार्टी के तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय महा प्रशिक्षण अभियान के अंतर्गत दो दिवसीय मंडल प्रशिक्षण वर्ग का सफल आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण वर्ग नगर के नवीन सामुदायिक भवन में आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने भाग लेकर संगठनात्मक एवं वैचारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण के साथ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री राजेश अग्रवाल तथा भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया उपस्थित रहे। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी सहित जिला एवं मंडल के पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। ध्वजारोहण के पश्चात अतिथियों ने पार्टी के इतिहास एवं योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में भरत सिंह सिसोदिया ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पार्टी की विचारधारा, संगठन की मजबूती एवं आगामी रणनीतियों पर प्रकाश डाला। मंत्री राजेश अग्रवाल ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सरकार की योजनाओं एवं संगठन की भूमिका पर विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान अतिथियों का स्वागत मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी, महामंत्री सचिन बंसल एवं महेश्वर राजवाड़े द्वारा पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण कर किया गया। दूसरे सत्र में पूर्व जिला अध्यक्ष ललन प्रताप सिंह मुख्य वक्ता रहे, जबकि अध्यक्षता पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष विश्वनाथ गुप्ता ने की। तृतीय सत्र में

अंबिकेश केसरी मुख्य वक्ता तथा दिनेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। चतुर्थ सत्र में श्रीमती फुलेश्वरी सिंह मुख्य वक्ता रहीं एवं अध्यक्षता श्रीमती रामकुमारी सिंह ने की। प्रथम दिवस का अंतिम सत्र नितेश सिंह के मुख्य वक्तव्य के साथ सम्पन्न हुआ, जिसकी अध्यक्षता बृजकिशोर पांडे ने की। इस दौरान रात्रि विश्राम, भोजन एवं सांस्कृतिक/मनोरंजन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिससे कार्यकर्ताओं में उत्साह का वातावरण बना रहा। कार्यक्रम में अंबिकापुर महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह, महामंत्री विनोद हर्ष, श्रीमती अरुणा सिंह एवं रूपेश दुबे सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। दूसरे दिवस के प्रथम सत्र में धनंजय द्विवेदी मुख्य वक्ता रहे एवं अध्यक्षता कामेश्वर राजवाड़े ने की। द्वितीय सत्र में मनोज गुप्ता ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया, जिसकी अध्यक्षता कामेंद्र राजवाड़े ने की। अंतिम सत्र में राधेश्याम ठाकुर मुख्य वक्ता रहे तथा अध्यक्षता जयराम राजवाड़े ने की। सभी वक्ताओं ने अलग-अलग विषयों पर कार्यकर्ताओं को पार्टी के इतिहास, नीति, सिद्धांत एवं संगठनात्मक कार्यप्रणाली के बारे में विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी, जिला उपाध्यक्ष दिनेश साहू, कार्यक्रम प्रभारी यतेंद्र पाण्डेय महामंत्री सचिन बंसल, महेश्वर राजवाड़े , रामसागर साहू, कृष्ण गुप्ता, सुरेश जयसवाल, राजेंद्र गुप्ता,चेतन रजवाड़े अनिल रजवाड़े पसिंदर रजवाड़े लक्ष्मण साहू शिवराज सिंह सहित विभिन्न मोर्चा एवं प्रकोष्ठ के पदाधिकारी—अवधेश यादव।

शाम के समय तेल में ये चीजें डालकर जलाएं दीपक नहीं रुकेगी घर की बरकत

हिन्दू धर्म में दीपक जलाना शुभ माना जाता है। शास्त्रों में कहा गया है कि पूजा-पाठ के दौरान दीपक जलाने से देवों की उपस्थिति उस स्थान पर होती है और उस जगह दिव्य ऊर्जा का संचार होने लगता है। इसी कारण से शास्त्रों में सुबह और शाम दीया प्रज्वलित करने का विधान है। वहीं, ज्योतिष शास्त्र में ऐसा माना गया है कि संध्याकाल के समय जलाया गया दीपक ज्यादा प्रभावशाली होता है प्रात:काल के समय जलाए गए दीपक के मुकाबले। ऐसे में अगर शाम के समय जलने वाले दीपक के तेल में कुछ चीजें मिलाकर उसे प्रज्वलित किया जाए तो इससे कई लाभ मिल सकते हैं।

तेल में तिल मिलाकर जलाएं शाम के समय दीपक

तिल का संबंध पितरों और शनिदेव से माना गया है। ऐसे में शाम के समय तेल में तिल मिलाकर दीपक जलाने से पितृ प्रसन्न होते हैं। पितरों का आशीर्वाद मिलता है और शनि देव की कृपा भी बनी रहती है।

तेल में कपूर मिलाकर जलाएं शाम के समय दीपक

कपूर का संबंध शुक्र ग्रह से है। ऐसे में शाम के समय तेल में कपूर मिलाकर जलाने से कुंडली में शुक्र ग्रह मजबूत होते हैं। शुक्र के शुभ प्रभाव से व्यक्ति को सौभाग्य, सुंदरता, संपन्नता की प्राप्ति होती है।

तेल में लौंग मिलाकर जलाएं शाम के समय दीपक

लौंग का संबंध राहु और केतु से माना गया है। अगर रोजाना शाम के समय तेल में लौंग डालकर दीपक जलाया जाए तो इससे राहु का दुष्प्रभाव कम होता है और राहु-केतु की शुभता कुंडली में बढ़ती है।

तेल में तेजपत्ता मिलाकर जलाएं शाम के समय दीपक

तेजपत्ते का संबंध मां लक्ष्मी और कुबेर देव से माना गया है। ऐसे में शाम के समय तेल में तेजपत्ते का चूरा मिलकर दीपक जलाया जाए तो इससे घर की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और तधन लाभ होता है।

आखिर क्यों यात्रा से पहले दिशा शूल के बारे में जानना होता है जरूरी

शास्त्रों में किसी भी बात के कुछ विशेष नियम बनाए गए हैं और इनमें से एक नियम है यात्रा करने का। ऐसा माना जाता है कि अगर आप यात्रा ज्योतिष की कुछ बातों और नियमों के अनुसार करते हैं तो सफलता मिलती है।

किसी भी यात्रा की योजना बनाते समय हम कई बातों के बारे में विचार करते हैं। जैसे कि बजट से लेकर जगह तक और वाहन से लेकर सही मौसम तक। दरअसल, इन सभी जरूरी बातों के साथ ज्योतिष में भी एक बात है, जिसका आपको ध्यान रखने की सलाह दी जाती है। वह बात है किसी भी दिशा की तरफ जाने से पहले दिशा शूल की जानकारी होना।

आपने कई बार घर के बड़े-बुजुर्गों के मुंह से ये बात जरूर सुनी होगी कि किसी विशेष दिन पर किसी निश्चित दिशा में जाने से बचना चाहिए, अन्यथा आपके काम पूरे नहीं होंगे और समस्याएं आ सकती हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, यात्रा के समय सही दिशा का चयन करना भी बेहद महत्वपूर्ण है।

इसे दिशा शूल के रूप में जाना जाता है। दिशा शूल की अवधारणा प्राचीन काल से चली आ रही है और यह मान्यता है कि यदि यात्रा के लिए गलत दिशा का चयन किया जाए, तो यह आपके लिए असुविधा होने के साथ कार्य में बाधाओं की वजह बन सकती है। इस बात को विस्तार से जानने के लिए हमने ज्योतिर्विद पंडित रमेश भोजराज द्विवेदी से बात की। आइए जानें, इसके बारे में विस्तार से।

किसी ज्योतिष एक्सपर्ट की सलाह भी ले सकते हैं। ऐसा करने से आपकी यात्रा सफल होती है और आपको यात्रा के शुभ फल भी मिलते हैं।

दिशा शूल क्या होता है

- दिशा शूल एक ज्योतिषीय अवधारणा है, जिसके अनुसार हर दिन एक विशेष दिशा में यात्रा करना शुभ नहीं माना जाता है। इसका मतलब यह हुआ कि हर दिन के लिए एक निश्चित दिशा निर्धारित होती है, जिसमें आपको यात्रा करने से बचना चाहिए।
- यह दिशा आपके लिए शूल यानी कि कोई बाधा उत्पन्न कर सकती है। दिशा शूल से बचने के लिए सही दिशा चुनने के लिए आप

कौन सी दिशा किस दिन यात्रा के लिए अशुभ मानी जाती है

- अगर हम ज्योतिष की बात करें तो प्रत्येक दिन के लिए अलग-अलग दिशाएं अशुभ मानी जाती हैं। दिशा शूल की गणना के अनुसार, नीचे बताई गई दिशाएं किसी भी यात्रा के लिए अशुभ मानी जाती हैं।
- सोमवार और शनिवार-इस दिन पूर्व दिशा की तरफ यात्रा पर जाने से बचना चाहिए।
- मंगलवार-इस दिन आपको उत्तर दिशा में यात्रा करने से बचना चाहिए।
- बुधवार-बुधवार को पश्चिम दिशा में यात्रा करना शुभ नहीं माना जाता है।
- गुरुवार-गुरुवार के दिन आपको दक्षिण दिशा में यात्रा करने से बचना चाहिए।
- शुक्रवार-इस दिन पश्चिम दिशा में यात्रा करने से आपको धन हानि हो सकती है।
- रविवार-इस दिन आपको उत्तर दिशा में यात्रा नहीं करनी चाहिए। इस दिशा में यात्रा से नुकसान हो सकता है।

दिशा शूल का क्या महत्व है

- दिशा शूल की अवधारणा का आधार ज्योतिष गणनाओं और ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति पर आधारित होता है। यह माना जाता है कि कुछ दिन और दिशाएं हमारे ग्रहों और नक्षत्रों की स्थिति के अनुसार प्रतिकूल हो सकती हैं। इसकी वजह से यात्रा में बाधाएं, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, धन हानि या अन्य समस्याएं शुरू हो सकती हैं।
- दिशा शूल का ध्यान रखने से यात्रा के दौरान समस्याओं से बचा जा सकता है।
- गलत दिशा में यात्रा करने से स्वास्थ्य समस्याएं और आर्थिक हानि हो सकती है। ज्योतिष के अनुसार, गलत दिशा में यात्रा करने से जीवन में अनचाही चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।
- सही दिशा में यात्रा करने से मानसिक शांति और सफलता प्राप्त होती है। व्यक्ति बिना किसी बाधा के अपने गंतव्य तक पहुंचता है और यात्रा सुखद होती है।

दिशा शूल का वैज्ञानिक दृष्टिकोण

दिशा शूल का महत्व केवल धार्मिक दृष्टिकोण से ही नहीं है, बल्कि इसके पीछे कुछ वैज्ञानिक तर्क भी हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, प्राचीन समय में लोगों के पास यातायात के आधुनिक साधन नहीं थे और यात्रा करने के लिए उन्हें प्राकृतिक संकेतों और मौसम पर निर्भर रहना पड़ता था। कुछ दिशाओं में यात्रा करने से मौसम खराब होने की वजह से उस स्थान पर जाने में कठिनाई हो सकती थी, इसलिए उस जगह जाने से मना किया जाता था। इसके अलावा, ज्योतिष गणनाओं में ग्रहों और नक्षत्रों की स्थिति का भी ध्यान रखा जाता है। कुछ दिन और दिशा में यात्रा करने से आपके ग्रहों की दशा और दिशा पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, जिससे आपके जीवन में अस्थिरता और कठिनाइयां आ सकती हैं।

दिशा शूल से बचने के उपाय

- अगर आपको किसी वजह से यात्रा करनी पड़े, तो आपको कुछ उपाय आजमाने की सलाह दी जाती है।
- यात्रा शुरू करने से पहले गुड़ का सेवन करना और पानी पीना शुभ माना जाता है। यह दिशा शूल के प्रभाव को कम कर सकता है।
- यात्रा शुरू करने से पहले नींबू और हरी मिर्च को अपने वाहन के आगे लटकाने से दिशा शूल का प्रभाव कम हो सकता है।
- यात्रा से पहले भगवान गणेश की पूजा और यात्रा की सफलता के लिए मंत्र जाप करने से भी दिशा शूल के नकारात्मक प्रभाव को कम किया जा सकता है।
- यदि आपको किसी अशुभ दिशा में यात्रा करनी हो, तो आप रात्रि के समय यात्रा कर सकते हैं।
- यात्रा शुरू करने से पहले गायत्री मंत्र का जाप करना दिशा शूल से बचने का एक प्रभावी उपाय माना जाता है।

गायत्री मंत्र के हर शब्द का है खास अर्थ

सभी हिन्दू शास्त्रों में लिखा है कि मंत्रों का मंत्र महामंत्र है गायत्री मंत्र। यह प्रथम इसलिए कि विश्व की प्रथम पुस्तक ऋग्वेद की शुरुआत ही इस मंत्र से होती है। कहते हैं कि ब्रह्मा ने चार वेदों की रचना के पूर्व 24 अक्षरों के गायत्री मंत्र की रचना की थी। गायत्री मंत्र के हर शब्द का है खास अर्थ आओ जानते हैं।

मंत्र इस प्रकार है - ॐ भूर्भुव: स्व: तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो न: प्रचोदयात।

24 अक्षर गायत्री मंत्र

प्रत्येक अक्षर के उच्चारण से एक देवता का आह्वान हो जाता है। गायत्री मंत्र के चौबीस अक्षरों के चौबीस देवता हैं। उनकी चौबीस चैतन्य शक्तियां हैं। गायत्री मंत्र के चौबीस अक्षर 24 शक्ति बीज हैं। गायत्री मंत्र की उपासना करने से उन मंत्र शक्तियों का लाभ और सिद्धियां मिलती हैं।

ॐ : अ, उ और म। यह तीन अक्षरों से मिलकर बना शब्द ओम है जिसे प्रणव मंत्र भी कहते हैं। ॐ शब्द तीन ध्वनियों से बना हुआ है- अ, उ, म इन तीनों ध्वनियों का अर्थ उपनिषद में भी आता है। भू: लोक, भुव: लोक और स्वर्ग लोक का प्रतीक है। ॐ को ओम कहा जाता है। उसमें भी बोलते वक्त 'ओ' पर ज्यादा जोर होता है। इस मंत्र का प्रारंभ है अंत नहीं। यह ब्रह्मांड की अनाहत ध्वनि है।

भुर्भुव: स्व: : भू अर्थात धरती भुर्व: अर्थात अंतरिक्ष और स्व: अर्थात स्वर्गलोक।

तत्सवितुर्वरेण्यं : त : परमात्मा अथवा ब्रह्म, सवितु: : ईश्वर अथवा सृष्टि कर्ता, वरेण्यम अर्थात पूजनीय।

भर्गो : अज्ञान तथा पाप निवारक।

देवस्य : ज्ञान स्वरुप भगवान का।

धीमहि धियो : हम ध्यान करते हैं बुद्धि प्रज्ञा का।

योन: : जो : हमें।

प्रचोदयात : प्रकाशित करें।

- पृथ्वीलोक, भुवर्लोक और स्वर्लोक में व्याप्त उस सृष्टिकर्ता प्रकाशमान परमात्मा के तेज का हम ध्यान करते हैं, वह परमात्मा का तेज हमारी बुद्धि को सन्मार्ग की ओर चलने के लिए प्रेरित करे।
- उस प्राणस्वरूप, दु:खनाशक, सुखस्वरूप, श्रेष्ठ, तेजस्वी, पापनाशक, देवस्वरूप परमात्मा को हम अंत:करण में धारण करें। वह परमात्मा हमारी बुद्धि को सन्मार्ग में प्रेरित करे।
- ॐ : सर्वरक्षक परमात्मा, भू : प्राणों से प्यारा, भुव : दुख विनाशक, स्व : सुखस्वरूप है, तत : उस, सवितु : उत्पादक, प्रकाशक, प्रेरक, वरेण्य : वरने योग्य, भर्गो : शुद्ध विज्ञान स्वरूप का, देवस्य : देव के, धीमहि : हम ध्यान करें, धियो : बुद्धि को, यो : जो, न : हमारी, प्रचोदयात : शुभ कार्यों में प्रेरित करें।

सत्यनारायण की कथा क्यों की जाती है

सत्यनारायण व्रत कथा स्कन्दपुराण के रेवाखण्ड से संकलित की गई है। भगवान विष्णु के सत्य स्वरूप की कथा ही सत्यनारायण व्रत कथा है। यह कथा अक्सर पूर्णिमा के दिन, बृहस्पतिवार या किसी पर्व विशेष के दिन परिवार में आयोजित की जाती है। हर घर में सत्यनारायण की कथा का आयोजन होता है। आखिर यह सत्यनारायण की कथा का आयोजन क्यों होता है, क्या है इसका महत्व, मंत्र और पूजा विधि।

क्यों की जाती है सत्यनारायण की कथा

सत्यनारायण व्रत कथा के दो भाग हैं- व्रत-पूजा तथा कथा का श्रवण या पाठ। इस कथा के दो प्रमुख विषय हैं- संकल्प को भूलना और प्रसाद का अपमान करना। इस कथा का तिरस्कार करने या मजाक उड़ाने से व्यक्ति के जीवन में संकटों की शुरुआत हो जाती है। इसीलिए सत्यनारायण की कथा की जाती है।

व्रत और पूजा

विधिवत रूप से व्रत रखने और कथा सुनने से व्यक्ति के जीवन के सभी तरह के संकट दूर हो जाते हैं। सत्यनारायण भगवान की पूजा में खासकर केले के पत्ते, नारियल, पंचफल, पंचामृत, पंचगव्य, सुपारी, पान, तिल, मोली, रोली, कुमकुम, तुलसी की आवश्यकता होती। इन्हें प्रसाद के रूप में फल, मिष्ठान और पंजरी अर्पित की जाती है।

मंत्र- 'ॐ श्री सत्यनारायणाय नम:' का 108 बार जाप करें।

कथा श्रवण का महत्व

सत्य को नारायण के रूप में पूजना और नारायण को ही सत्य मानना यही सत्यनारायण है। सत्य में ही सारा जगत समाया हुआ है बाकी सब माया है। सत्यनारायण की कथा सुनने से व्यक्ति के जीवन के संकट मिट जाते हैं और वह सुख, समृद्धि एवं संतति को प्राप्त करना है। इस कथा को कहने सुनने से निश्चित ही मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। सत्यनारायण कथा कराने से हजारों साल तक किए गए यज्ञ के बराबर फल मिलता है। साथ ही सत्यनारायण कथा सुनने को भी सौभाग्य की बात माना गया है।

व्रत-पूजन कैसे करें

इसके बाद नारद जी ने भगवान श्रीहरि विष्णु से व्रत विधि बताने का अनुरोध किया। तब भगवान श्रीहरि विष्णु जी बोले- सत्यनारायण व्रत करने के लिए व्यक्ति को दिन भर उपवास रखना चाहिए। श्री सत्यनारायण व्रत पूजनकर्ता को स्नान करके कोरे अथवा धुले हुए शुद्ध वस्त्र पहनें। माथे पर तिलक लगाएं और शुभ मुहूर्त में पूजन शुरू करें। इस हेतु शुभ आसन पर पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुंह करके सत्यनारायण भगवान का पूजन करें। इसके पश्चात सत्यनारायण व्रत कथा का वाचन अथवा श्रवण करें। संध्याकाल में किसी प्रकाड पंडित को बुलाकर सत्य नारायण की कथा श्रवण करवाना चाहिए। भगवान को भोग में चरणामृत, पान, तिल, मोली, रोली, कुमकुम, फल, फूल, पंचगव्य, सुपारी, दूर्वा आदि अर्पित करें। इससे सत्यनारायण देव प्रसन्न होते हैं। सत्यनारायण व्रत पूर्णिमा के दिन करने का विशेष महत्व है, क्योंकि पूर्णिमा सत्यनारायण का प्रिय दिन है, इस दिन चंद्रमा पूर्ण कलाओं के साथ उदित होता है और पूर्ण चंद्र को अर्घ्य देने से व्यक्ति के जीवन में पूर्णता आती है। पूर्णिमा के चंद्रमा को जल से अर्घ्य देना चाहिए। घर का वातावरण शुद्ध करके चौकी पर कलश रखकर भगवान श्री विष्णु की मूर्ति या सत्यनारायण की फोटो रख कर पूजन करें। परिवारजनों को एकत्रित करके भजन, कीर्तन, नृत्य गान आदि करें। सबके साथ प्रसाद ग्रहण करें, तदोपरांत चंद्रमा को अर्घ्य दें। यही सत्यनारायण भगवान की कृपा पाने का मृत्यु लोक में सरल उपाय है।

जैसा रहेगा अन्न वैसा रहेगा मन, सात्विक भोजन से, मनुष्य के मन बुध्दि व संस्कार पर पढ़ता है प्रभाव : बीके सविता बहन

मूल्यवान समय का सार्थक उपयोग करने वालों का ही जीवन सफल होता है : बीके रश्मि बहन

भाटापारा। परमपिता परमात्मा शिव बाबा की दिव्य प्रेरणा से भाग्यविधाता भवन, भाटापारा द्वारा आयोजित ब्रम्हा भोजन कार्यक्रम एवं सविता दीदी द्वारा दिव्य उदबोधन व आशीर्वचन दिया गया कार्यक्रम के आरंभ मे रायपुर शांति सरोवर से पधारे बीके राज योग शिक्षिका सविता दीदी ने अन्न भोजन के महत्व को बताते हुये कहा कि जैसा अन्न वैसा मन व संस्कार होता सविता दीदी कार्यक्रम मे उपस्थित भाई बहिनों व बीके कुमारों को बताया कि ईश्वरीय स्मृति मे अर्पित किया गया। पवित्र भोजन ही ब्रम्हा भोजन जिसके लिये देवतायें भी तरसते थे। सात्विक व ब्रम्हा भोजन परमात्मा के करीब ले जाने का साधन है। उन्होंने कहा ब्रम्हा भोजन भोगनाओं को मिटाने वाला है। ब्रम्हा भोजन विचारों व संस्कारों को शुध्द करने वाला है एवं सविता दीदी ने कहा कि ब्रम्हा भोजन जीवन मे दिव्यता लाने वाला है। सविता दीदी ने उपस्थित ब्रम्हा कुमार व भाई बहनों को बताया कि राज योग धारणा सेवा चार मुख्य विषय है, परंतु इन सबको पाने के लिये समय का खजाना अतिमहत्वपूर्ण है, अगर 2 मिनट भी व्यर्थ मे गवातें हैं तो वह 2 साल के बराबर है, इसलिये हमें अपना मूल्यवान समय परमात्म ज्ञान योग्य को प्राप्त कर जो परमात्मा के द्वारा दिया जा रहा है उसे ग्रहण कर दिव्य गुणों व शक्तियों सुख व शांति से अपने जीवन को सफल बनावे। वहीं रायपुर शांति सरोवर से पधारे हुये बीके महेश ने भी अपने उदबोधन मे भाटापारा के भाग्य विधाता भवन के परमात्म संदेश का प्रारंभ ओमप्रकाश के दिशा निर्देश व दृढ़ निश्चय के द्वारा हुआ बताया जिसका लाभ भाटापारा के समस्त आम जन ले रहे हैं। वहीं रायपुर शांति सरोवर के बीके रश्मि बहन ने कहा कि भाटापारा के सेन्टर मे परमात्म प्रभु मिलन कि आत्मायें उपलब्ध है, वह निर्विघ्न ज्ञान में चलते रहें व पूरे भाटापारा का उद्धार अपनी सेवा भाव से करते रहें। वहीं चौबे कालोनी रायपुर कि राजयोग संचालिका भावना बहन ने अपने दिव्य उदबोधन मे कहा कि इस संगम युग मे सबसे बड़ा खजाना समय का है। इस समय को सफल कर परमात्म ज्ञान मे रहकर सभी आत्माओं को ज्ञान का दान देना आवश्यक है। वहीं ब्रम्हा भोज कार्यक्रम मे उपस्थित नगर के प्रथम नागरिक के रुप मे नगरपालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने भाटापारा प्रजापिता ब्रम्हा कुमारी संस्थान से अपना वर्षों पुराना जुड़ाव बताया उन्होंने कहा कि प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी संस्थान नैतिक व आध्यात्मिक मूल्यों व व्यक्तित्व विकास मे मार्ग दर्शन करती है जिससे जुड़कर हम सबको लाभ लेना चहिये व इसका लाभ भाटापारा वासियों को मिलता रहता है एवं शहर के विकास एवं कल्याण हेतु प्रजापिता ब्रम्हा कुमारी संस्थान का सहयोग भी लिया जायेगा। वहीं कार्यक्रम का सफल संचालन बीके मंजू बहन द्वारा किया गया।

दुर्ग में आत्महत्या के पूर्व वीडियो बनाकर युवक ने बयां किया दर्द

पत्नी और ससुराल वालों की प्रताड़ना से तंग आकर दी थी जान, 3 गिरफ्तार

दुर्ग । गया नगर निवासी विशाल गुप्ता (30 वर्ष) की आत्महत्या के मामले में दुर्ग पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। मृतक द्वारा मरने से पहले रिकॉर्ड किए गए वीडियो और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने उसकी पत्नी और ससुराल पक्ष के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया है।

11 मार्च 2026 की रात लगभग 10:30 बजे विशाल गुप्ता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। जांच के दौरान पुलिस को मृतक के मोबाइल से एक हृदयविदारक वीडियो मिला। इस वीडियो में विशाल ने अपनी पत्नी और उसके परिजनों द्वारा दी जा रही निरंतर मानसिक प्रताड़ना का उल्लेख किया था। वीडियो के अनुसार, इसी प्रताड़ना से तंग आकर उसने आत्मघाती कदम उठाया।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने धारा 108 और 3(5) बीएनएस के तहत अपराध क्रमांक 157/2026 पंजीबद्ध किया। आरोपियों की तलाश के लिए एक विशेष टीम गठित कर उत्तर प्रदेश रवाना की गई। तकनीकी साक्ष्यों और लोकेशन के आधार पर पुलिस ने आरोपियों को घेराबंदी कर 29 मार्च 2026 को धर दबोचा।गिरफ्तार किए गए आरोपियों को पुलिस टीम दुर्ग लेकर पहुंची, जहाँ उन्हें न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। कोर्ट ने सभी आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट, घटनास्थल के निरीक्षण और परिजनों के बयानों के सूक्ष्म परीक्षण के बाद पुलिस इस नतीजे पर पहुंची कि यह आत्महत्या के लिए उकसाने का स्पष्ट मामला है। इस कार्रवाई में दुर्ग पुलिस की सक्रियता से पीड़ित परिवार को न्याय की उम्मीद जगी है।

दुर्ग धमधा रोड सब्जी मंडी में नशीली दवाओं के साथ तस्कर गिरफ्तार

मोहन नगर पुलिस ने दबोचा

दुर्ग। नशे के अवैध कारोबार के खिलाफदुर्ग पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। मोहन नगर थाना पुलिस ने धमधा रोड स्थित सब्जी मंडी में घेराबंदी कर एक युवक को गिरफ्तार किया है, जो प्रतिबंधित नशीली दवाओं की बिक्री करने की फिराक में था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से भारी मात्रा में नशीले कैप्सूल बरामद किए हैं। 29 मार्च को पुलिस को सूचना मिली थी कि धमधा रोड सब्जी मंडी के पास एक संदिग्ध व्यक्ति नशीली दवाओं के साथ ग्राहकों का इंतजार कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने इलाके की घेराबंदी की और संदेही को हिरासत में लिया।

तलाशी के दौरान आरोपी के पास से 72 प्रतिबंधित नशीले कैप्सूल बरामद किए गए। आरोपी की पहचान दीपक ठाकुर (28 वर्ष), निवासी सिकोला भाठा, दुर्ग के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि अधिक मुनाफे के लालच में वह इन प्रतिबंधित दवाओं को अवैध रूप से बेचने का काम कर रहा था।

जिसके पास से पुलिस को 72 नग नशीले कैप्सूल जिसका बाजार मूल्य लगभग 28,800 रूपये बताया जा रहा है.

मोहन नगर पुलिस ने आरोपी दीपक ठाकुर के खिलाफ एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस द्वारा वैधानिक कार्यवाही पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

भिलाई ट्रांसपोर्ट नगर फैक्ट्री में केमिकल रिसाव से मचा हड़कंप

गैस पाइप फटने से दूर-दूर तक फैला धुआं, लोगों को सांस लेने में हुई तकलीफ

दुर्ग विशेष संवाददात। दुर्ग जिले के ट्रांसपोर्ट नगर (हथखोज) स्थित इंजीनियरिंग पार्क में मंगलवार शाम एक बड़ा हादसा टल गया। यहां स्थित थेथिस हाइड्रोकार्बन प्राइवेट लिमिटेड की फैक्ट्री में शाम करीब 4:30 बजे अचानक केमिकल का रिसाव हो गया। इस घटना के बाद पूरे इलाके में जहरीला धुआं फैल गया, जिससे वहां काम करने वाले मजदूरों और आस-पास के लोगों में हड़कंप मच गया। कई लोगों ने सांस लेने में तकलीफ और लगातार खांसी आने की शिकायत हुई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, थेथिस हाइड्रोकार्बन की इस फैक्ट्री में इंक (स्याही) बनाने का काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक गैस का एक मुख्य पाइप जोरदार धमाके के साथ ब्लास्ट हो गया। पाइप फटने से फैक्ट्री में मौजूद सारा केमिकल फर्श पर नीचे गिर गया और केमिकल रिएक्शन के कारण अत्यधिक मात्रा में धुआं उठने लगा। देखते ही देखते धुएं के गुबार उठने लगा, जो काफी दूर से दिखाई दे रहा था। हादसे के फैरन बाद कंपनी प्रबंधन ने आनन-फानन में केमिकल के ऊपर रेत डलवाकर उसे ढक दिया। रेत डालने के बाद धुएं का निकलना बंद हुआ। हालांकि, इस पूरे मामले में दमकल विभाग (फायर ब्रिगेड) को काफी देर से सूचना दी गई। जब तक अग्निशमन दल की टीम मौके पर पहुंची, तब तक धुआं काफी हद तक थम चुका था, जिसके चलते टीम को बैरंग वापस लौटना पड़ा।

घटना के बाद आस-पास की फैक्ट्रियों के संचालक भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने थेथिस हाइड्रोकार्बन प्रबंधन की इस बड़ी लापरवाही पर जमकर नाराजगी जाहिर की। हालांकि, अग्निशमन अधिकारी का कहना है कि, इंजीनियरिंग पार्क स्थित केएसएस हाइड्रोकार्बन में भारी धुआं उठने की सूचना मिली थी, सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची जिन्हें फैक्ट्री मालिक ने बताया कि यह 'पिच ऑइल' है और लोडिंग के दौरान अत्यधिक गर्म होने व पाइपलाइन फटने की वजह से धुआं उठ रहा था। अगल-बगल के लोगों ने भी सांस लेने में समस्या की शिकायत की है। फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और घबराने जैसी कोई बात नहीं है।

61वां सालाना उर्स मेले का आयोजन

भाटापारा। हर साल की तरह ईस शाल भी हजरत बाबा सय्यद अहमद शाह रहमतुल्लाह अलेह का 61वां सालाना उर्स मेले का आयोजन किया जा रहा है। बुधवार 1 अप्रेल शाम 7 बजे से लंगर की व्यवस्था व रात 9 बजे मशहूर कव्वाल गुलाम वारिस (दिल्ली) का शानदार कव्वाली प्रोग्राम होगा। उर्स प्रोग्राम कव्वाली के मौके पर मुख्य अतिथि गुरु खुशवंत साहेब (कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार अनुसुची जाति विकास मंत्रालय) अध्यक्षता शिवरतन शर्मा (पूर्व विधायक भाटापारा) विशेष अतिथि मिर्जा एजाज बेग (अध्यक्ष हज कमेटी प्रदेश छ. ग.) योगेश अग्रवाल (पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राईस मि. एशो. व फिल्म संगठन छ. ग., अश्वनी शर्मा (अध्यक्ष. नगर पालिका परिषद, भाटापारा), तिमिरेंद्र शेखर सिंह कंवर (संरक्षक युवा प्रभाग कंवर समाज, रायपुर), दिलीप छाबड़िया (उपाध्यक्ष, नगर पालिका परिषद, भाटापारा उपस्थित रहेंगे। उर्स की व्यवस्था में जुटे रहेंगे दरगाह कमेटी व मुस्लिम युवा वर्ग, उर्स को सफल बनाने में उर्स दरगाह कमेटी व मुस्लिम जमात भाटापारा निभा रहे हैं।

10 हजार की सहायता राषि बनी सहारा बेटियों की पढ़ाई में लगा रहे शिवलाल साहू

भूमिहीन कृषक शिवलाल साहू के लिए वरदान बनी दीनदयाल योजना

गरियाबंद। फिंगेश्वर विकासखण्ड के रोहिणा ग्राम पंचायत के आश्रित गांव सेम्हराडीह निवासी शिवलाल साहू के जीवन में दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना एक महत्वपूर्ण सहारा बना है। इस योजना के तहत उन्हें 10 हजार रूपये की एकमुश्त सहायता राशि प्राप्त हुई। जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है। उन्होंने बताया कि वे वर्षों से मेहनत-मजदूरी और राजमिस्त्री कार्य के भरोसे अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे हैं। कम आय होने के उपरांत उन्होंने अपना घर बनाया और अपने बच्चों को पढ़ाने का प्रयास किया। उनके परिवार में एक बेटा और तीन बेटियां हैं, जिनमें से एक बेटी का विवाह हो चुका है, जबकि शेष तीन का विवाह होना अभी बाकी है। उन्होंने बताया कि इस 10 हजार रूपये की सहायता राशि का उपयोग वे अब अपने बच्चों को स्नातक शिक्षा में पढ़ाई करा रहे हैं। साहू ने कहा कि यह राशि मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है, इससे मेरी बच्चों की पढ़ाई में मदद मिल रही है और भविष्य के लिए एक आधार तैयार हो रहा है। साहू ने बताया कि इस योजना का लाभ उनके अस्थाई दिव्यांग पिता उमेंदी राम साहू तथा उनके छोटे भाई को भी मिला है, जिससे पूरे परिवार को राहत मिली है। उन्होंने राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की योजनाएं गरीब और भूमिहीन परिवारों के लिए एक ठोस सहारा बनती हैं। यह सहायता न केवल आर्थिक सहयोग प्रदान करती है, बल्कि आत्मनिर्भर बनने के लिए भी प्रेरित करती है। सही समय पर मिली छोटी सी आर्थिक सहायता भी किसी परिवार के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती है।

हंगामे के बीच महापौर रामू रोहरा ने किया निगम में दूसरी बार बजट पेश

कुरूद/धमतरी। धमतरी नगर निगम में वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट महापौर रामू रोहरा द्वारा अपने कार्यकाल का दूसरी बार बजट पेश किया गया। हंगामे के बीच पेश किये गये इस बजट के दौरान बजट भाषण से पहले धमतरी नगर निगम में प्रश्नकाल आयोजित किया गया। इस प्रश्नकाल के दौरान विपक्षी कांग्रेस पार्षदों ने जमकर हंगामा किया। निगम के बजट में कई विकास योजनाओं को शामिल किया गया है। शहरवासियों को इस बजट से खास उम्मीदें हैं कि यह केवल आंकड़ों तक सीमित न रहकर जमीनी स्तर पर विकास और जनसुविधाओं को प्राथमिकता देगा। महापौर रामू रोहरा ने अपने बजट भाषण में धमतरी के चौतरफा विकास का दावा किया। धमतरी में पेयजल, स्वच्छता, सड़क विकास, नगरीय विकास और स्वास्थ्य सेवाओं के विकास का प्रावधान बजट में किया गया है। महापौर ने बताया कि निगम की सरकार शहर में विकास को प्राथमिकता देगी। इसी को ध्यान में रखकर यह बजट पेश किया गया है। नगर पालिक निगम धमतरी में 30 मार्च को दूसरी बार बजट पेश किया गया जिसमें विपक्ष ने सदन में जमकर हंगामा किया। विपक्षी पार्षद जमीन पर बैठ गए और नारेबाजी करने लगे। कांग्रेसी पार्षदों ने सत्तापक्ष पर कमीशनखोरी, डीजल घोटाला और बेलिंग मशीन की खरीदी में घोटाले का मुद्दा उठाया। इस दौरान विपक्षी पार्षदों ने सदन में पोस्टर दिखाया और हंगामा किया। विपक्ष का आरोप है कि नगर निगम में जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। उन्होंने महापौर पर आरोप लगाते हुए कहा कि महापौर नगरीय निकाय क्षेत्र को छोड़कर ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। उन क्षेत्रों में विकास के कार्य करवा रहे हैं जो उनका कार्यक्षेत्र नहीं है। महापौर, धमतरी विधायक को नीचा दिखाने का प्रयास कर रहे हैं। बल्कि असल तस्वीर यह है कि धमतरी में कुछ वार्डों में कोई भी विकास कार्य नहीं हुए हैं। वहीं विपक्षी पार्षदों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। महापौर रामू रोहरा द्वारा पेश किये गये बजट में कुल आय 620 करोड़ 13 लाख 23 हजार रुपये, कुल खर्च 619 करोड़ 53 लाख 52 हजार रुपये, जिसमें बजट लाभ 59 लाख 71 हजार रुपये है।

दुर्ग में सौर ऊर्जा की नई क्रांति: 'प्रधानमंत्री सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना' को लेकर नगर निगम की विशेष पहल

बिजली बिल से मिलेगी राहत

दुर्ग। नगर पालिक निगम, दुर्ग द्वारा भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'प्रधानमंत्री सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना' को शहर में प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए कमर कस ली गई है। इस पहल के माध्यम से आम नागरिकों को सस्ती, स्वच्छ और आत्मनिर्भर बिजली की सौगात देने की तैयारी है।

नगर निगम प्रशासन का मुख्य लक्ष्य शहर के अधिक से अधिक घरों की छतों पर सोलर रूफटॉप स्थापित करना है। इससे नागरिकों को न केवल भारी-भरकम बिजली बिलों से मुक्ति मिलेगी, बल्कि वे अपनी जरूरत की बिजली खुद पैदा कर आत्मनिर्भर बनेंगे। यह कदम कार्बन उत्सर्जन को कम करने और दुर्ग को एक 'ग्रीन सिटी' के रूप में विकसित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।मध्यम और निम्न आय वर्ग के परिवारों को मुफ्त या बेहद सस्ती बिजली उपलब्ध कराना।स्वच्छ ऊर्जा: पारंपरिक बिजली की जगह सौर ऊर्जा को बढ़ावा देकर पर्यावरण को सुरक्षित रखना।

ऊर्जा आत्मनिर्भरता: देश और शहर को ऊर्जा के क्षेत्र में स्वावलंबी बनाना।

नगर पालिक निगम, दुर्ग ने शहरवासियों से अपील की है कि वे इस जनकल्याणकारी योजना का अधिकतम लाभ उठाएं। निगम अधिकारियों के अनुसार, योजना के क्रियान्वयन में तेजी लाई जा रही है ताकि आवेदन प्रक्रिया और इंस्टॉलेशन का कार्य सुगमता से पूरा हो सके।

यह योजना न केवल वर्तमान पीढ़ी के लिए आर्थिक बचत का माध्यम है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और सुरक्षित भविष्य का आधार भी है।

महावीर जयंती पर दुर्ग भिलाई में भव्य शोभायात्रा निकली

यात्रा में युवाओं ने पानी बचत का संदेश दिया

दुर्ग। दुर्ग भिलाई में मंगलवार को भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव का 2625 वाँ जन्म कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास के साथ सकल जैन समाज के द्वारा मनाया गया। इस अवसर पर सुबह 7:30 बजे दिगंबर और श्वेतांबर जैन मंदिर मारवाड़ी विद्यालय और कस्तुरबा बाल मंदिर से पुजा अर्चना के पश्चात भव्य शोभायात्रा निकाली गई.शोभायात्रा में सिहावा नगरी के लोक प्रिय भजन गायक मयंक डागा शुभम भंसाली ने अपने भक्ति गीतों से शानदार समां बांधा.इस मौके पर दुर्ग महापौर अल्का बाघमार भी शामिल हुईं।

मारवाड़ी स्कूल से निकली शोभायात्रा होटल मान लुचकी तालाब परिश्ता कंपलेक्स इंदिरा मार्केट भाजपा कार्यालय शनिचरी बाजार होते हुए गांधी चौक एवं दिगंबर जैन मंदिर में समाप्त हुई।

भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव में भोजन के बर्तनों को सुधर्म जैन परिवार ने लकड़ी के बुरादों से बर्तनों की सफाई कर पानी बचत करने का संदेश दिया। और जगह-जगह शरबत भंडारे का आयोजन भी किया गया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com